डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live
बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अख़बार
संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 47 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | शुक्रवार 29 नवम्बर 2024 | मूल्य 2 रुपया

शादी के कार्ड के नाम पर ठगी!

साइबर ठगों का नया तरीका, मोबाइल कर रहे हैक

भोपाल, 28 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। ठगी का नया तरीका अब एपीके फाइल है। वॉट्सएप ग्रुपों पर भेजी जा रही एपीके फहल जितनी घातक है, उससे भी ज्यादा खतरनाक ठगी का तरीका है। इन फाइलों के जरिए न केवल ठगी हो रही है, बल्कि ठग पीड़ित का मोबाइल नंबर बंद करवाकर ई-सिम जारी करवा रहे हैं। ई-सिग से पीड़ित का बायोमेटिक तक ब्लॉक करवाया जा रहा है।इसका खुलासा भोपाल में साइबर पुलिस की जांच में हुआ है। साइबर ऋ्रम विंग के पास पहुंची शिकायत में कुछ ऐसा ही विनीत सिंह के साथ हुआ। ठग ने उनके वॉटसएप पर एपीके फाइल के रूप में शादी का कार्ड भेजा। डाउनलोड करते ही मोबाइल हैंग हो गया और नंबर भी बंद हो गया।सिम चालू न होने पर जानकारी ली तो पता चला कि उस नंबर से ई-सिम जारी हुई है। विनीत ने साइबर क्राइम विंग में शिकायत दर्ज कराई। तब ठग उनका बायोमेट्रिक भी ब्लॉक करवा चुके थे। पिछले 15 दिन में एपीके फाइल से ठगी की शिकायतें बढ़ी हैं।

ठग ऐसे जारी कराते हैं ई-सीम....

साइबर पुलिस के अनुसार एपीके फाइल डाउनलोड करते ही कॉल और मैसेज ठगों के पास फॉरवर्ड होंगे। वह मोबाइल कंपनी के एप पर जाकर ई-सिग की रिक्वेस्ट करता है। ओटीपी दर्ज कर ई-सिग जारी करा लेता है। यह जारी होते ही फिजिकल सिम बंद हो जाती है।सिम चालू न होने पर आप कस्टमर केयर पर संपर्क करेंगे। तब इसका पता चलेगा। बायोमेट्रिक ब्लॉक होने पर आधार को दूसरे नंबर से लिंक कराकर इसे अनब्लॉक कराना होगा। तब ई-सिग बंद करवाने के साथ फिजिकल सिम जारी कराई जा सकती है।

पुलिस की एडवाइजरी

राज्य साइबर पुलिस और साइबर क्राइम विंग ने एडवाइजरी भी जारी की है। इसमें बताया गया है अनजान नंबर से भेजी गई एपीके फाइल डाउनलोड न करें। यह इन्विटेशन कार्ड-पीएम आवास से संबंधित नहीं है। यह एक खतरनाक एपीके फाइल है। इसे इंस्टॉल करते ही मोबाइल हैक हो जाएगा।

इनका कहना–अनजान नंबर से आई एपीके फाइल डाउनलोड न करें। एडवाइजरी जारी की गई है एपीके फइल से लगातार ठगी के मामले सामने आ रहे हैं। इसके लिए एडवाइजरी जारी की गई है। अनजान नंबर से आई किसी भी तरह की एपीके फाइल डाउनलोड न करें।

यूसुफ कुरैशी, डीआईजी राज्य साइबर पुलिस

दलालों के हवाले परिवहन विभाग

किराने के सामान की तरह बंट रहे ड्राइविंग लाइसेंस

✻ मंदसौर में ड्राइविंग याद हो या नहीं, दलाल बनवा देते लाइसेंस ✻ दस लाख के ट्रेक का भी नहीं कर रहे उपयोग

मंदसौर, 28 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। जिला परिवहन विभाग पूरी तरह से दलालों के हवाले हैं। ड्राइविंग लाइसेंस बनवाना हो या अन्य कोई काम, अधिकारियों के मुंह लगे कुछ दलालों के बिना काम होना लगभग असंभव है। यहां बात करें ड्राइविंग लाइसेंस की। मंदसौर परिवहन विभाग में गाड़ी चलाना याद हो या नहीं, लाइसेंस किराने की दुकान पर मिलने वाले सामान की तरह मिल जाता है। स्थिति यह है कि दस लाख का वाहन टेस्टिंग ट्रेक तैयार किया गया था। लेकिन, अधिकारियों की दलालों से सांठगांठ के चलते इस ट्रेक का भी उपयोग नहीं किया जा रहा।

तो लाइसेंस जारी कैसे हो रहे..?

परिवहन कार्यालय में लाइसेंस जारी करने से पहले चालक को वाहन चालक की टेस्टिंग के लिए 10 लाख का ट्रैक बनाया। पर सिस्टम की विडबंना यह है कि लाखों के इस ट्रेक पर अब तक एक वाहन भी नहीं चला और अब यह ट्रेक ही झाडियों में विलुप्त हो जा रहा है। इसके अंदर पहुंचने के रास्ते की बात हो या पूरा ट्रेक कटीली झाड़ियों में दबकर रह गया है। विभागीय अधिकारियों की लापरवाही कहे या फिर कर्मचारियों की मनमानी कि इनका उपयोग ही नहीं हो पा रहा है। बड़ा सवाल तो यह भी है कि जब टेस्टिंग ट्रेक का ही उपयाग नहीं हो रहा है तो फिर लाइसेंस कैसे जारी हो रहे है।

मॉनीटरिंग कक्ष भी बना...

वाहन चालक की इस ट्रेस्टिंग ट्रेक पर ड्रायविंग देखने के लिए मानिटरिंग के लिए एक मानिटरिंग कक्ष भी बनाया है। इसमें कम्प्यूटर लगाना था। लेकिन, कम्प्युटर की जगह उसमें कबाड़ भरा हुआ है। अंग्रेजी के 8 के समान बने ट्रेक का कोई उपयोग नहीं हो रहा है। यही स्थिति इसके पास बने फिटनेस टेस्ट करने वाले शेड की भी है। यहां भी वाहनों को ले जाया नहीं जाए गए और कागजों में ही फिटनेस प्रमाण पत्र बनते रहे। अब तो स्थिति यह हो गई है कि फिटनेस टेस्ट के लिए बनाया गया शेड ही नीचे गिर गया है। अभी भी उसका मलबा परिसर में ही पडा है। लंबे समय से मलबा पड़ा हुआ है, लेकिन इसे हटाया तक नहीं गया। यहां कोई वाहन लेकर पहुंचता ही नहीं, इसीलिए ही इसे हटाने तक की जरूरत महसूस नहीं हुई।

कार्ड के नाम पर दो सौ रुपए की वसूली...

परिवहन विभाग से निजी कंपनी का करार खत्म होने के बाद अब यहां से वाहनों के रजिस्ट्रेशन व ड्राइविंग लाइसेंस के कार्ड भी नहीं बन रहे हैं। आवेदकों को लाइसेंस व रजिस्ट्रेशन कार्ड पीडीएफ में व्हाटसअप पर दिए जा रहे है। जबकि, आवेदन करते समय का परिवहन विभाग कार्ड के नाम से 200 रुपए का शुल्क ले रहा है। इससे भी लोगों को परेशानी हो रही है। कार्ड में न स्मार्ट चिप लगी होती है, जिसमें सारी जानकारी होती है।

बिना टेस्टिंग के बन रहे ड्राइविंग लाइसेंस...

जिला परिवहन कार्यालय में लोगों के ड्राइविंग लाइसेंस भी बिना टेस्टिंग के सीधे ही बन रहे हैं। इसके लिए किसी तरह का कोई टेस्ट नहीं हो रहा है। सब कुछ आरटीओ के दलालों के माध्यम से हो रहा है। लर्निंग लाइसेंस से नियमित लाइसेंस बनाते समय केवल आवेदक को कार्यालय में फोटो खिचवाने आना पड़ता है। इसके अलावा किसी तरह का कोई टेस्ट नहीं हो रहा है। दोपहिया वाहन पर आ रहे आवेदकों के चार पहिया वाहनों के लाइसेंस भी बन रहे हैं। सबकुछ जोड़तोड़ से हो रहा है। सीधे आवेदन के पहुंचने पर तमाम नियम और यहां सक्रिय दलालों के माध्यम से पहुंचने पर बिना किसी नियम कायदें के लाइसेंस आसानी से बन रहे है।

नियमों को ताक पर रखकर हो रहा काम...

परिवहन विभाग में नियम है ड्राइविंग लाइसेंस जारी करने से पहले संबंधित को दोपहिया या चार पहिया वाहन लेकर बुलाया जाता है और टेस्टिंग ट्रेक पर उसकी पूरी परीक्षा ली जाती है। इसमें वाहन को आगे-पीछे लेना, दाए-बाए मोड़ते समय इंडीकेटर का उपयोग करना सहित वाहन की स्पीड व अन्य बाते शामिल रहती है। इसमें सड़क पर ट्रैफिक व विभागीय नियम के.बारें में भी जानकारी दी जाती है। लेकिन, जिला मुख्यालय पर बने टेस्टिंग ट्रेक पर ऐसा कुछ नहीं होता है। लाखों रुपए से बना टेस्टिंग ट्रेक अनुपयोगी होकर विरान पड़ा है।

हार्डवेयर दुकान पर दिनदहाड़े हजारों रूपए की चोरी

एक महिला और दो बदमाशों ने दिया वारदात को अंजाम, सीसीटीवी फूटेज में दिखे बदमाश

दलौदा, 28 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। नगर से गुजर रहे फोरलेन मार्ग पर स्थित एक हार्डवेयर दुकान मे घुसकर बदमाशो ने दिनदहाड़े हजारो रूपए की चोरी कर डाली। यह वाकया सीसीटीवी में भी कैद हो गया। अब पुलिस बदमाशो को तलाश रही है।

नगर में स्थित सरस्वती हार्डवेयर नामक दुकान पर भरी दोपहरी में तीन बदमाशो ने धावा बोला। इनमें एक महिला भी शामिल है। दरअसल 2 युवक ओर 1 महिला सामान लेने के बहाने दुकान में घुसे। वहां जाकर एक युवक ओर एक महिला सामान देखने लगे और दुकानदार भी उनको सामान दिखाने के लिए अपने काउंटर से उठ कर दुकान में सामान दिखाने चला गया। दुकान संचालक सामान दिखा ही रहा था, इतने में एक युवक जो महिला ओर एक अन्य युवक के साथ आया था, वो दुकान में काउंटर के अंदर घुसकर गल्ले में रखे नगद रूपए लेकर फरार हो गया। इसी बची महिला ओर उसके साथ आया युवक भी भाग निकले।

दिनदहाड़े दुकान दार को चकमा देकर इस प्रकार की वारदात को बदमाश अंजाम दे गए और गल्ले से करीब 50 हजार रुपए की नगदी लेकर रफूचक्कर हो गए। जैसे ही दुकानदार को घटना की जानकारी लगी तो दुकान दार ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और सीसीटीवी केमरे खंगाले। जिसमें बदमाश चोरी करते हुए कैद हुए। मामले में पुलिस ने दुकान संचालक मनोहर लाल पाटीदार से आवेदन लेकर बदमाशो की तलाश शुरु की है।

दूसरी दुकानों के बाहर भी नजर आए बदमाश...

घटना स्थल दुकान के सामने के छोर पर स्थित पतंजलि स्टोर जो कि जैन मंदिर के पास है, वहां पर भी बदमाशों ने वारदात करने का प्रयास किया। लेकिन, बदमाश वहां पर घटना नहीं कर पाए। क्योंकि, पतंजलि स्टोर पर इलेक्ट्रॉनिक पासवर्ड वाला गल्ला है। पतंजलि स्टोर के संचालक ने बदमाशों के फोटो को सोशल मीडिया पर भी डाला था। जिसके थोड़ी देर बाद ही सरस्वती हार्डवेयर में चोरी होने की खबर आ गई।

मौसम: वेस्टर्न डिस्टबेंस की वजह से दिसंबर में बढ़ेगी ठंड

मंदसौर, 28 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मंदसौर में उत्तरी हवाओं के कारण ठंड का असर बना हुआ है। पिछले 24 घंटों में तापमान में मामूली बढ़ोतरी देखने को मिली है। इस समय जिले में अधिकतम तापमान 29.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 12.8 डिग्री के आसपास हैमौसम वैज्ञानिक प्रमेंद्र कुमार के अनुसार नवंबर के अंत में दिन-रात के तापमान में गिरावट का ट्रेंड रहता है। अगले 2-3 दिनों में पश्चिम-उत्तर भारत में वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय हो सकता है, जिससे ठंडी हवाओं की रफ्तार तेज होगी और मध्यप्रदेश भी इसकी चपेट में आएगा।अभी पश्चिम-उत्तर भारत में जेट स्ट्रीम 260 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही है, लेकिन इसकी उंचाई 12.6 किमी होने के कारण प्रदेश पर असर कम है। दिसंबर के पहले सप्ताह में ये बर्फीली हवाएं प्रदेश में कड़ाके की ठंडलाएंगी। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और लद्दाख में बर्फबारी हो रही है।

अमृत योजना : प्रक्रिया में उलझा प्रोजेक्ट

तीन सालों से अटका है जलकार्य विभाग का मामला

मंदसौर, 28 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। करीब सालों से प्रक्रिया में उलझे अमृत-2 योजना के दस करोड़ के प्रोजेक्ट को हरी झंडी मिलने का इंतजार है। शासन स्तर पर अटके प्रोजेक्ट पर अब तक निर्णय नहीं हो पाया है। अब माना जा रहा है यह साल भी बीत जाएगा और अगले साल तक इसका इंतजार करना होगा। 10 करोड़ की मंजूरी पर साढ़े 13 करोड़ का प्रोजेक्ट बनाने के कारण पहले प्रोजेक्ट अटका फिर इसमें प्रोजेक्ट को छोटा कर मंजूरी दी गई। मंजूरी से अधिक का प्रोजेक्ट बनाने के कारण ही इंतजार लंबा हो गया। पेयजल व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए तीन नई पेयजल टंकियों के साथ नया फिल्टर प्लांट बनाने के साथ इसमें लाइन बिछाने तक का काम किया जाना है। टेंडर प्रक्रिया के बाद मामला शासन स्तर पर गया। अब टेंडर की मंजूरी का इंतजार नपा पिछले कई महीनों से कर रही है।

अमृत-2 का यह प्रोजेक्ट कागजों में ही उलझ रहा है। पूर्व में प्रशासक कार्यकाल के समय अमृत-2 का प्रोजेक्ट जो बना वह सिर्फ 11 करोड़ के आसपास का था। मंजूरी से पहले परिषद का गठन हुआ और डीपीआर में संशोधन करते हुए पेयजल टंकियों को बढ़ाकर फिर से डीपीआर तैयार की तो इसमें लागत भी साढ़े 13 करोड़ तक बढ़ गई और डीपीआर को मंजूरी के लिए भेजा गया। इस पूरी प्रक्रिया में ढाई साल से भी अधिक समय गुजर गया और अब फिर मामला राशि को लेकर उलझा तो कुछ माह का इंतजार और बढ़ जाएगा। अब मंजूरी भी मिली तो 10 करोड़ तक के प्रोजेक्ट की मिली है और डीपीआर में एक टंकी को कम किया गया। आचार संहिता के कारण प्रक्रिया रुक गई थी।

10 करोड़ में यह होंगे काम...

अमृत-2 योजना के तहत जो मंजूरी मिली है। उसमें अब नपा को शहर में 16 एमएलडी का नया फिल्टर प्लांट के साथ तीन पेजयल टंकी का निर्माण करना है। वहीं 3 किमी से मेन लाईन और 8.5 किमी डिस्ट्रीब्यूशन लाईन के अलावा स्काडॉ सिस्टम भी लगाना है। इसके लिए 8 करोड़ 46 लाख 59 हजार रुपए में काम होना है। इसमें जीएसटी अतिरिक्त है। यानी जीएसटी सहित यह प्रोजेक्ट 10 करोड़ रूपए में पूरा होगा। पहले तीन के बजाए चार पेयजल टंकी ली गई थी। इसके कारण जीएसटी सहित प्रोजेक्ट साढ़े 13 करोड़ तक पहुंच रहा था। जिसे अब 10 करोड़ के अंदर किया गया है।

नर्सिंग कॉलेज घोटाला: हाईकोर्ट के आदेश पर नर्सिंग काउंसिल ने जारी की डिफिशिएन्ट कॉलेजों की सूची...

मंदसौर के 2, नीमच के 3 व रतलाम के 7 नर्सिंग कॉलेजों ने पूरे नही किए मापदण्ड

मन्दसौर, 28 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। नर्सिंग कॉलेज घोटाले में हाईकोर्ट के निर्देश पर मध्यप्रदेश नर्सिंग कौंसिल ने डिफिशिएन्ट कॉलेजों की सूची जारी की है, जिसमें प्रदेश के करीब 100 से ज्यादा नर्सिंग कॉलेजों का नाम शामिल है। मध्यप्रदेश नर्सिंग कौंसिल ने दिनांक 27 नवंबर 2024 को हाइकोर्ट जबलपुर के प्रकरण क्रमांक wp 1080/2022 में पारित आदेश दिनांक 21/11/2024 के अनुसार डिफिशिएन्ट संस्थाओं की रिपोर्ट पेश की है।

इससे पूर्व जारी हुई सूची में प्रदेश के 169 नर्सिंग कॉलेज जांच में मानक पूर्ण यानी सूटेबल कैटेगरी में पाए गए थे। किन्तु सीबीआई निरीक्षक के रिश्वत लेते पकडे जाने के बाद हाईकोर्ट के निर्देश पर पुन: जांच हुई, जिसमें कुछ सूटेबल कॉलेज डिफिशिएन्ट कैटेगरी में शामिल हो गए। मध्यप्रदेश नर्सिंग कौंसिल ने गत दिवस जो सूची जारी की, उसमें मन्दसौर के दो कॉलेज जिसमे पशुपति कॉलेज ऑफ नर्सिंग मन्दसौर और ज्ञान विहार कॉलेज ऑफ नर्सिंग भैसोदा का नाम है। इसी प्रकार नीमच के ज्ञानोदय इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग, संजीवनी कॉलेज ऑफ नर्सिंग, आरबीएस इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग व रतलाम के सात कॉलेज जिसमे माही कॉलेज ऑफ नर्सिंग सरवन, डॉ. एमबी शर्मा नर्सिंग कॉलेज, सरदार पटेल नर्सिंग कॉलेज, आरोग्य इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग, आधार कॉलेज ऑफ नर्सिंग, सैलाना कॉलेज ऑफ नर्सिंग, माही कॉलेज सैलाना का नाम शामिल है।

25 प्रतिशत रह जाएगी नर्सिंग कॉलेजों की सीटें, चझ के 24 सरकारी नर्सिंग कॉलेजों में से 15 को मिली मान्यता, बाकी पर असमंजस–निजी कॉलेज तो दूर प्रदेश के सरकारी नर्सिंग कॉलेज भी मान्यता की कसौटी पर खरे नहीं उतर रहे हैं। प्रदेश के 24 सरकारी नर्सिंग कॉलेजों में से 15 का मान्यता नवीनीकरण ..... **शेष पेज 4 पर**

महाराष्ट्र में महायुती के मुख्यमंत्री का नाम उलझ गया..!

मंदसौर/उज्जैन, 28 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव के नतीजे में अपना बहुमत होने के बाद भी भाजपा की महायुती के मुख्यमंत्री की अभी तक घोषणा नहीं हो पाई है। जबकि, बीच चुनाव में माना जा रहा था कि जिस दल के विधायक अधिक होंगे, मुख्यमंत्री उसी का बनेगा। इस चर्चा के अनुपात से तय माना जाए तो भाजपा के देवेंद्र फडणवीस बन जाने थे। नहीं बने और आज चौथा दिन है, घोषणा भी नहीं हुई नहीं है। इससे अलग राजनीतिक दांव चलते भाजपा हाईकमान ने दो पर्यवेक्षक महाराष्ट्र भेज निर्विवाद मुख्यमंत्री का नाम छांटने के लिए कहा है। यह कर भाजपा हाई कमान ने केसेट और अधिक उलझ दी। इतनी की जो देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे को उनके दल के विधायक प्रोजेक्ट कर रहे थे, वह भी मौन हो गए हैं। जाहिर है, अब जो भी मुख्यमंत्री बनेगा उसके नाम की पर्ची भी दोनों पर्यवेक्षकों के पास है। विधानसभा चुनाव के नतीजे के पहले तक समर्थक विधायकों की संख्या बल को मुख्यमंत्री बनने का आधार बताया जा रहा था। इसी दौरान फडणवीस ने गृह मंत्री रहते अपना ट्रैक साफ करना शुरू कर दिया ताकि कोई स्पर्धा करने लायक भी नहीं रहे।

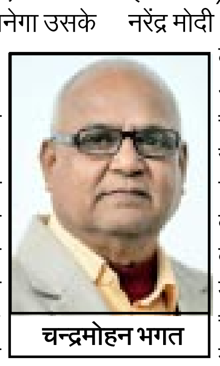
चन्द्रमोहन भगत

अब अच्छे से समझने के लिए कि अभी तक स्पष्टबहुमत मिलने के बाद भी मुख्यमंत्री के नाम का चयन क्यों नहीं हो पाया है! इसके लिए राजनीतिक दृश्य को थोड़ा रिवर्स कर देखें तो कुछ स्पष्टहोगा। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष चयन के लिए इस बार राष्ट्रीय स्वयं संघ एनडीए प्रमुख नरेंद्र मोदी और अमित शाह पर अंकुश लगाते हुए चयन में अपने अधिकार का उपयोग शुरू कर चुका था। संघ से जो नाम आ रहे थे वह डबल इंजन को विचलित कर रहे थे। इसी दौरान राज्यों के चुनाव के बहाने किसी ऐसे नाम पर डबल इंजन स्वीकृति बनवाना चाहता था, जिससे भविष्य में उन्हें भी कोई परेशानी ना आए। ऐसे नाम में पहले नंबर पर नाम था विनोद तावड़े, जो राष्ट्रीय महासचिव थे और महाराष्ट्र चुनाव के कर्ताधर्ता भी। जिसकी राज्य स्तर पर देवेंद्र फडणवीस से गहरी सार्वजनिक अदावत थी। फड्नवीस ने तावड़े को राज्य में मंत्री बनने से भी रोका था। विधानसभा चुनाव के बीच जब लगने लगा कि महायुती की सरकार बनने जा रही है। तब ही महाराष्ट्र के गृह मंत्रालय के अधिकारी से बाहर निकली टीप के कारण विनोद तावड़े नोट बांटते पकड़ा जाते हैं। ऐसा होने से फडणवीस का कांटा तो साफ हो गया पर डबल इंजन का भावी राष्ट्रीय अध्यक्ष उलझ जाने से डबल इंजन पर संकट गहरा गया है। फिर से ऐसा नाम कहां से लाएं जिसे संघ भी पूर्ण सहमति दे।

बहरहाल देवेंद्र भाऊ तो सिर्फ अपना रास्ता साफ करने के चक्कर में डबल इंजन की योजना को पंचर कर चुके हैं। तब स्वाभाविक था कि डबल इंजन भी कुछ ऐसा ही जवाब महाराष्ट्र मुख्यमंत्री के लिए रिटर्न फेंकेगा। अब दो पर्यवेक्षक आएंगे एक मात्र फडणवीस के रहते दो अन्य नाम के लिए रायशुमारी करेंगे। फिर हायकमान को स्वीकृति के लिए भेजेंगे। स्वीकृति जिस नाम पर मिलेगी, उसी के नाम की पर्ची खोली जाएगी। यह भी हो सकता है कि महिला और पिछड़े वर्ग को प्रतिनिधित्व देने के नाम पर पंकजा मुंडे जैसी भाजपा नेत्री का भाग्य भी खुल सकता है।

डबल इंजन की राजनीति को समझने, देखने वालों का कहना है कि राजस्थान में वसुंधरा की तरह ही महाराष्ट्र में कहीं देवेंद्र फडणवीस को ही नए मुख्यमंत्री के नाम की पर्ची खोलकर मुख्यमंत्री की घोषणा ना करना पड़े ! कल से महाराष्ट्र में वातावरण किसी भी नए नाम के लिए बनता जा रहा है। क्योंकि अगर देवेंद्र भाउ का होना होता तो पर्यवेक्षक और रायशुमारी होना ही नहीं थी। इसलिए कहा जा रहा है कि पर्ची उसी के नाम की खुलेगी, जिस पर उप्पर वाले डबल इंजन मेहरबान होंगे।

विचार-मंथन

जलवायु संकट पर पीछे हटते विकसित देश

इसमें कोई दो राय नहीं कि जलवायु संकट आज विश्व भर में सभी देशों की चिंता में सबसे ऊपर है और इसके खतरे को कम करने या इससे पूरी तरह निपटने के लिए सभी देशों को अपनी ईमानदार इच्छाशक्ति जाहिर करनी होगी। मगर इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि दिनोंदिन गहराते जा रहे इस संकट और इसके प्रभाव पर सभी देश विमर्श तो करते हैं, मगर इससे पार पाने के उपायों को लेकर वही देश अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लेते हैं, जिनकी भूमिका इस मुश्किल को बढ़ाने में ज्यादा रही है। विकसित देशों का यह रुख अपने आप में परेशान करने वाला है कि वे पृथ्वी के जलवायु पर बढ़ते संकट के सवाल पर हर बार दोहरा रवैया अपनाते हैं और इस मसले पर होने वाली तमाम बैठकों का हासिल अपने किसी मकसद तक नहीं पहुंच पाता। इस बार अजरबैजान के बाकू में भी सीओपी-29 की बैठक में उम्मीद जरूर की गई थी कि शायद ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन की वजह से बढ़ते वैश्विक तापमान और उससे निपटने के उपायों को जमीन पर उतारने को लेकर विकसित देश वास्तव में कुछ ठोस पहल करेंगे। मगर यह अफसोस की बात है कि इस विश्वव्यापी संकट के सवाल पर विकसित देशों को अपनी सुविधा कायम रखना ज्यादा अहम लगता है। गौरतलब है कि बाकू में संपन्न हुए जलवायु शिखर सम्मेलन में समृद्ध देशों ने जलवायु वित्त पोषण के रूप में हर वर्ष तीन सौ अरब डालर की सहायता देने पर समझौता किया, वह भी सन 2035 से। जबकि विकासशील देशों की मांग तेरह सौ अरब डालर की थी। यानी एक तरह से विकासशील देशों की मांगों को अनसुना कर दिया गया। विकसित देशों के रुख और सहायता राशि में इतने बड़े अंतर पर विकासशील देशों के बीच गहरी निराशा पैदा हुई और इस पर मतभेद उभरना स्वाभाविक था। भारत की ओर से यह साफ तौर पर कहा गया कि वह इस प्रस्ताव को वर्तमान स्वरूप में स्वीकार नहीं करता है, क्योंकि प्रस्तावित राशि बहुत ही कम है और यह हमारे देश के अस्तित्व के लिए जरूरी जलवायु कार्रवाई को असंभव बनाएगी। भारत ने समझौते को अपनाने के तरीके को भी आपत्तिजनक और 'पूर्व नियोजित' बताया। समस्या के स्वरूप और उससे निपटने के उपायों के मद्देनजर भारत की आपत्ति को विकासशील देशों का समर्थन मिला, वहीं विकसित देशों के बीच एक विचित्र चुप्पी देखी गई। यह सही है कि ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन की वजह से वैश्विक तापमान में इजाफा हो रहा है और इसमें सबसे ज्यादा बड़ी भूमिका दुनिया के समृद्ध या विकसित देश ही निभाते हैं। दूसरी ओर, 'ग्लोबल साउथ' के देशों की भूमिका में इसमें अपेक्षया कम है और विकास की निरंतरता को कायम रखने के लिए उनकी कुछ व्यावहारिक जरूरतें हैं। इसी के मद्देनजर विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन से उपजने वाले संकट से पार पाने में मदद के लिए विकसित देशों का वित्तीय और तकनीकी संसाधन जुटाने का दायित्व है। इसी जिम्मेदारी के तहत विकसित देशों ने सन 2020 से हर वर्ष सौ अरब डालर जुटाने की पेशकश की थी। वह दावा कितना पूरा हुआ, यह सभी जानते हैं। मगर वक्त और जरूरत के मुताबिक तेरह सौ अरब डालर की मांग को सिर्फ तीन सौ अरब डालर तक समेट देने का औचित्य समझ से परे है। सवाल है कि अगर पृथ्वी के जलवायु पर बढ़ते संकट के मसले को विकसित देश वास्तव में गंभीर मानते हैं, तो उसके मुख्य कारकों और उसके हल के व्यावहारिक उपायों में अपनी सक्रिय सहभागिता निभाने के बजाय वे अपने कदम पीछे क्यों खींच लेते हैं!

क्या बाइडेन कर रहे रूस के संकल्प का परीक्षण

मेजर जनरल हर्षा काकर

महीनों के विचार-विमर्श के बाद, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने आखिरकार यूक्रेन को रूस के भीतर हमला करने के लिए लंबी दूरी की सेना सामरिक मिसाइल प्रणाली का इस्तेमाल करने की अनुमति दे दी। शुरुआत में कुर्स्क क्षेत्र में, जहां रूस ने यूक्रेनी घुसपैठ को पीछे धकेलने के लिए उत्तर कोरियाई सैनिकों के साथ सेना की तैनाती बढ़ा दी है। जाहिर है, रूस अपने प्रयासों में सफल हो रहा है, यही वजह है कि बाइडेन ने यह कदम उठाया। यह चल रहे संघर्ष के प्रति अमेरिकी नीति में एक उल्लेखनीय बदलाव है और बाइडेन के पद छोड़ने से ठीक पहले आया है। बाइडेन का यह निर्णय यूक्रेन के लिए पर्याप्त नहीं हो सकता है, लेकिन संघर्ष के लिए एक नया आयाम खोलता है। 20 जनवरी को अमेरिकी राष्ट्रपति पद संभालने वाले ट्रंप ने यूक्रेन को समर्थन कम करते हुए युद्ध को समाप्त करने के अपने इरादे की घोषणा की थी। उनके समर्थकों ने बाइडेन के इस फैसले की आलोचना करते हुए दावा किया है कि वह सैन्य औद्योगिक परिसर के हाथों में खेल रहे हैं। इससे तीसरे विश्व युद्ध के लिए मंच तैयार हो रहा है। अमेरिकी प्रतिबंधों से यूके और फ्रांस सहित अन्य सहयोगियों के लिए भी ऐसा ही करने के दरवाजे खुलेंगे। ब्रिटेन पहले ही घोषणा कर चुका है कि वह यूक्रेन को इसी तरह अपनी स्टॉर्म शैडो मिसाइलों का इस्तेमाल करने की अनुमति देगा। बाइडेन की मंजूरी के कुछ दिनों बाद, युद्ध के 1000वें दिन, यूक्रेन ने रूस के ब्रांस्क क्षेत्र में मिसाइलें दागीं। रूस ने दावा किया कि उसने दागी गई छह में से पांच मिसाइलों को मार गिराया है, जबकि अमेरिका ने कहा कि दागी गई आठ में से दो को मार गिराया गया। एटीएमएस मिसाइलों की रेंज 300 किलोमीटर है और इन्हें रोकना आसान नहीं है। अमेरिका ने यूक्रेन को 80 किलोमीटर की रेंज वाली अपनी HIMARS प्रणाली का उपयोग करने की अनुमति दी थी, ताकि उसकी सेना खार्किव आक्रमण को रोक सके, जो प्रभावी साबित हुआ। पुतिन ने दो दिन पहले रूस के परमाणु सिद्धांत में बदलावों को मंजूरी दी थी, संभवतः अमेरिका से इस तरह के निर्णय की उम्मीद करते हुए। कुछ समय से, रूस नाटो को चेतावनी दे रहा था कि अगर उसने यूक्रेन को रूस में अपनी प्रदान की गई मिसाइलों को दागने की अनुमति दी, तो इसका मतलब होगा कि नाटो सीधे रूस के खिलाफ ऑपरेशन में शामिल है। संशोधित सिद्धांत इस बात पर प्रकाश डालता है कि परमाणु राज्य द्वारा समर्थित एक गैर-परमाणु राज्य द्वारा हमला एक संयुक्त हमला माना जा सकता है। इसमें यह भी कहा गया है कि सैन्य गठबंधन के सदस्य द्वारा किए गए हमले को गठबंधन द्वारा ही हमला माना जाएगा। संशोधित परमाणु सिद्धांत के अनुसार, रूस परमाणु हथियारों का उपयोग करके ऐसे हमलों का जवाब दे सकता है। अमेरिका ने कहा है कि इस संशोधित सिद्धांत और यूक्रेनी हमले के बावजूद उसका अपना परमाणु दर्जा बदलने का कोई इरादा नहीं है। पुतिन ने पहले उल्लेख किया था कि यूक्रेन के पास अपने दम पर ऐसी मिसाइलों को इस्तेमाल करने की क्षमता नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि केवल पश्चिमी उपग्रह ही उनके रोजगार के लिए खुफिया डेटा प्रदान कर सकते हैं और साथ ही केवल नाटो कर्मी ही उड़ान मिशन सौंप सकते हैं, जो उनकी प्रत्यक्ष भागीदारी का संकेत है। उन्होंने कहा कि यदि यह निर्णय (रूस के खिलाफ एटीएमएस मिसाइलों को नियोजित करना) किया जाता है, तो इसका मतलब (नाटो की) प्रत्यक्ष भागीदारी से कम कुछ नहीं होगा। रूसी प्रवक्ता और पुतिन की सरकार के सदस्य चेतावनी दे रहे हैं कि पश्चिमी कार्रवाइयां और कीव द्वारा मिसाइलों का प्रक्षेपण तीसरे विश्व युद्ध के लिए मंच तैयार कर रहा है। पश्चिम ने अब तक पुतिन की एक और खोखली धमकी के रूप में चेतावनी को नजरअंदाज किया है। अमेरिका से आने वाला संदेश यह है कि बाइडेन का प्रशासन रूसी संकल्प की परीक्षा ले रहा है और परमाणु विकल्प पर पुतिन की धोखाधड़ी को उजागर कर रहा है। अमेरिका का मानना है कि पुतिन यूक्रेनी हमले का जवाब धमकी के अनुसार नहीं देंगे। बाइडेन ट्रंप को यह भी संकेत दे रहे हैं कि सरकार के संक्रमण के बावजूद उनके पास अभी भी कार्रवाई करने की शक्ति है और जो कुछ भी वे पीछे छोड़ते हैं, उससे ट्रंप को निपटना होगा। इसके अलावा, अमेरिकी प्रशासन यह संदेश दे रहा है कि उसका यह निर्णय युद्ध के मैदान में उत्तर कोरियाई सैनिकों के प्रवेश के जवाब में है, जो युद्ध के मैदान के माहौल को बदल सकता है। अमेरिकी घोषणा में देरी ने रूस को अपनी अधिकांश प्रमुख सैन्य संपत्तियों को इन मिसाइलों की सीमा से बाहर ले जाने का समय दे दिया है। युद्ध की शुरुआत से ही पुतिन यूक्रेन का समर्थन करने के खिलाफ पश्चिम को धमका रहे थे, लेकिन उन्होंने कभी कार्रवाई नहीं की। नाटो ने यूक्रेन को हथियार मुहैया कराए और रूस ने चुप्पी साधे रखी। यहां तक कि जब यूक्रेन सीमा पार करके कुर्स्क में आगे बढ़ा, जो कि हिटलर द्वारा द्वितीय विश्व युद्ध में किए गए हमलों के बाद पहली बार हुआ था, तब भी पुतिन ने हमले की धमकी दी थी, लेकिन कार्रवाई नहीं की। इस प्रकार, संशोधित परमाणु सिद्धांत को भी पुतिन द्वारा किए गए झांसे और चेतावनियों की श्रृंखला में एक और माना जा रहा है। ऐसा प्रतीत होता है कि पुतिन और बाइडेन दोनों ही कुर्स्क को लेकर चिंतित हैं। पुतिन किसी भी शांति वार्ता से पहले यूक्रेनी सेना से इस क्षेत्र को वापस पाना चाहते हैं और इसलिए अतिरिक्त सैनिकों को भेज रहे हैं। बाइडेन को उम्मीद है कि इस प्रतिबंध से यूक्रेन को भविष्य की किसी भी वार्ता में इस क्षेत्र को सौदेबाजी की चिप के रूप में बनाए रखने में लाभ होगा। पुतिन के मन में अपने हित भी हैं। वह अपनी शर्तों पर संघर्ष का अंत चाहते हैं। उनके लिए सबसे अच्छा विकल्प ट्रंप युग की शुरुआत है। अगर वह संघर्ष को बढ़ाते हैं, जो संभवतः बाइडेन उन्हें करने के लिए प्रेरित कर रहे हैं, तो पीछे हटने की संभावना मुश्किल है। साथ ही उन्होंने यूक्रेन के ऊर्जा संसाधनों और प्रतिष्ठानों को निशाना बनाना भी बढ़ा दिया है। सर्दी के करीब आने के साथ, यूक्रेन के ऊर्जा संसाधनों को नष्ट करने से यूक्रेन के लोगों में गुस्सा बढ़ेगा, जिनमें से अधिकांश पहले से ही शांति चाहते हैं। ट्रंप के सामने भी निर्णय लेने की दुविधा है। क्या उन्हें अपने आगमन के तुरंत बाद प्रतिबंध को निलंबित कर देना चाहिए या शांति के लिए इसका फायदा उठाना चाहिए। अगर वह जल्दी कार्रवाई करते हैं, तो यह पुतिन के हाथों में खेल सकता है और साथ ही उनके यूरोपीय सहयोगियों के साथ दूरी बढ़ा सकता है, जबकि उन्हें रूस की कठपुतली के रूप में देखा जा सकता है। अगर वह देरी करते हैं।

शरद पवार और उद्धव ठाकरे के लिए अस्तित्व बचाने की चुनौती

बिलाल भट

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नतीजों ने कई लोगों को चौंका दिया है, खासकर उन लोगों को जो उम्मीद कर रहे थे कि एनसीपी (शरद पवार) और शिवसेना (यूबीटी) थोड़ा बेहतर प्रदर्शन करेंगे, ताकि वे कुछ महत्वपूर्ण संख्या हासिल कर सकें और विधानसभा में अपनी बात रख सकें। 2019 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में अविभाजित एनसीपी ने 54 सीटें जीती थीं, जबकि अविभाजित शिवसेना ने 56 सीटें जीती थीं। पिछली बार अविभाजित शिवसेना ने भाजपा के साथ चुनाव लड़ा था, जबकि अविभाजित एनसीपी ने कांग्रेस के साथ चुनाव लड़ा था। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में शिंदे की शिवसेना ने अब तक 57 सीटें जीती हैं, जबकि एनसीपी ने अब तक 41 सीटें जीती हैं इसके विपरीत, शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (शरद पवार) का प्रदर्शन खराब रहा है। एनसीपी (एसपी) ने अब तक 10 सीटें जीती हैं, जबकि शिवसेना (यूबीटी) ने 20 सीटें जीती हैं। शरद पवार की एनसीपी से अलग होकर बनी अजित पवार की एनसीपी ने आगे बढ़कर वरिष्ठ पवार को निराश और टूटा हुआ छोड़ दिया, जबकि वे अपने राजनीतिक करियर के अंतिम पड़ाव पर हैं। इसके साथ ही उनकी राजनीतिक विरासत का अस्तित्व ही खतरे में पड़ गया है। अपनी बेटी सुप्रिया सुले के प्रति अपने स्नेह के कारण वरिष्ठ पवार को भारी कीमत चुकानी पड़ी और उनके नेतृत्व वाली राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी का विघटन हुआ। इसी तरह शिवसेना के उद्धव ठाकरे शिवसेना के अस्तित्व को खतरे में डालने के बजाय एकनाथ शिंदे को सम्मानजनक पद देकर संतुष्ट रख सकते थे, जिस पर उनका दावा है कि वह उनकी है। वह अपने चचेरे भाई राज ठाकरे के साथ भी समझौता कर सकते थे। हालांकि, वार्ताकारों ने उद्धव और राज के बीच मध्यस्थता करने की कोशिश की, लेकिन बात नहीं बन सकती और दोनों को एक-दूसरे के खिलाफ कर दिया। अब एकनाथ शिंदे को मिले लोकप्रिय जनादेश ने अनिर्णायक लड़ाई को आसानी से तय कर दिया क्योंकि बालासाहेब ठाकरे की शिवसेना पर उनके बेटे उद्धव का दावा शिंदे के पास ही रहा। सीनियर पवार, उद्धव और कांग्रेस नेताओं को 2024 के लोकसभा चुनावों के बाद कुछ उम्मीद थी, लेकिन उनकी आत्मसंतुष्टि - उनके आंतरिक कलह से पता चलता है - उन्होंने मतदाताओं में असंतोष भड़काकर भाजपा के लिए मैदान खुला छोड़ दिया। नतीजों ने न केवल उद्धव या शरद को खतरे में डाल दिया है, बल्कि अजित के नेतृत्व वाली एनसीपी और एकनाथ के नेतृत्व वाली शिवसेना को भी खतरे में डाल दिया है, जिनकी संख्या इतनी कम है कि आने वाले दिनों और हफ्तों में जब उन्हें सरकार गठन के दौरान भाजपा के साथ बातचीत करने की जरूरत होगी, तो वे अपनी आवाज नहीं उठा पाएंगे। चुनाव नतीजों के बाद विरासत की परिभाषा बदलती दिख रही है और लोगों के पास विरासत का मूल्यांकन करने का अपना तरीका है। महाराष्ट्र इसका एक बेहतरीन उदाहरण है, जहां लोगों ने महायुति को शासन करने का जनादेश देकर उद्धव के बजाय एकनाथ शिंदे को चुना। इसी तरह शरद पवार के बजाय अजित पवार को चुना। इन नतीजों ने महाराष्ट्र की राजनीतिक गतिशीलता को बदल दिया है, जहां क्षेत्रीय दल राज्य विधानसभा में हावी होंगे। चुनाव प्रचार के दौरान स्थानीय मुद्दों की गूंज पार्टियों और उम्मीदवारों के लिए निर्णायक होगी। मराठा गौरव जीत का प्रतीक होगा। इस बार हिंदू राष्ट्रवाद ने मराठा प्रतीकवाद पर जीत हासिल की है। महाराष्ट्र हमेशा मराठों से जुड़े मुद्दों पर जीता है। शरद पवार 46 साल पहले मतदाताओं के सामने स्थानीय मुद्दों को रखकर ही महाराष्ट्र के सबसे युवा मुख्यमंत्री बने थे। इसके बाद उन्होंने कांग्रेस से अलग होकर एनसीपी की स्थापना की। इसी तरह राज्य में शिवसेना का उदय मराठी गौरव और उससे जुड़े मुद्दों के कारण हुआ। राष्ट्रीय पार्टियां, पहले महाराष्ट्र विधानसभा में पैठ बनाने के लिए क्षेत्रीय रास्ता अपनाती थीं। इस बार, यह बेशर्मी थी, और ये नारे स्पष्ट रूप से क्षेत्रीय दलों के विभाजन का परिणाम थे। चुनाव परिणाम घोषित होने तक क्षेत्रीय दलों की कुछ भूमिका थी। फिर भी, उन्हें दब्बू बने रहना होगा, जैसा कि भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस की बॉडी लैंग्वेज से स्पष्ट था, जब उन्होंने परिणामों के तुरंत बाद पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। केंद्र सरकार को उनके साथ खड़े होने के लिए धन्यवाद देते हुए उन्होंने कहा, यह विचारधाराओं की लड़ाई थी।

अलाव की आग बिना अधूरी हैं सर्दियां

हम उसे पूजते हैं, वह हमें पोषती है, लेकिन दोस्ती हमारी आग से तो अलाव से ही होती है। जब कोई डर नहीं होता और न कोई बेगानापन, जब उसकी आंच हमारे शरीर के ताप से मिलकर एक होने लगती है। जितना कोहरा पहचान है सर्दियों की, उतना ही अलाव भी। एक नजरों को बांध देता है और दूसरा दूर से ही नजर में आ जाता है। अलाव में प्यार है, ममता है, यह जलता है, लेकिन मुस्कुराता है। इसके पास बैठकर कभी उदास नहीं हो सकता कोई। लपटों में छिपी मुस्कान इसकी सबको हंसाती है साथ अपने। करीब 15 लाख साल पहले इंसानों ने जाना कि आग जलती कैसे है। रिसर्चर्स कहते हैं कि वह एक दुर्घटना थी। अगर दुर्घटना थी, तो भी क्या खूब थी। वह न होती, शायद यह आज वाला वक्त न होता। वही आग अग्निदेव बनी, हैस्टिया कहलाई, वेस्टा के नाम से पुकारी गई और हुओ नाम पाई। सभ्यता भारतीय हो, चीनी या मिस्र - आग हमेशा सबसे पवित्र रही। वह देवालयों में जली, दीयों में जली। प्राकृतिक शक्ति का सबसे बड़ा रूप रही। इसे जोड़ा गया जीवन, संतुलन और संरक्षण से। इसने पाला, पर संहार भी खूब किया। यह पुचकारती रही और समय-समय पर डराती भी। लेकिन, यही आग जब अलाव के ठौर बैठी, तो मिजाज ही बदल गया। गर्मी वही रही, लेकिन तेजी नहीं। पवित्र वह तब भी बनी रही, लेकिन दैवीय नहीं। ताकत उसमें होती है, लेकिन भय भरने वाली नहीं। तब वह चुंबक की तरह खींचती है सभी को अपनी तरफ। उसकी आंच तब लगती है गर्म लिहाफ की तरह, जो ठंड से ठिठुरते बदन को राहत देती है। अलाव की खासियत है सभी को जुटाने की। अपने इर्द-गिर्द लोगों का घेरा जमाकर नए रिश्ते पकाने की। इसकी आग में सारे भेदभाव जल जाते हैं। करीब लाती है इसकी आग, जोड़ती है। लालच से भी भरपूर है अलाव। जितना साथ मिल जाए, उतना कम। न यह किसी को भगाता है और न कोई भागना चाहता है। आग की तरह इसका भी कोई अंत, कोई शुरुआत नहीं। जिसे जहां से और जैसे अलाव की दोस्ती मिली, वह वहीं से खुश। इसकी आग न अकेली लकड़ी से जलती है और न वह किसी को अकेला रहने देती है। उसके पास आने के लिए किसी इजाजत की जरूरत नहीं। सर्दी में गठरी बने लोग गर्माहट भरी उम्मीद में अपने आप आ जाते हैं उसके पास। दुनिया के हर कोने में, हर संस्कृति में मौजूद है अलाव। भारत में यह लोहड़ी और मकर संक्रांति के साथ फसल के जश्न का मौका देता है, तो पश्चिम में कैम्प फायर के पास बिताई गई रातों की यादें हमेशा के लिए अनमोल पल बन जाती हैं। इतनी कीमती चीज है अलाव, लेकिन इसके लिए चाहिए क्या? बस कुछ सूखी लकड़ियां, सूखे पत्ते और चिंगारी! एक बड़े मकसद की इससे ज्यादा सादी शुरुआत नहीं देखी होगी कहीं। जीवन में भी कुछ बड़ा हासिल करने के लिए यही चाहिए- संघर्ष का हौसला, हिम्मत और सहयोग। अलाव की तरह जीवन की सफलता भी छिपी है साझेदारी में। जब लोग एक-दूसरे से जुड़ेंगे तो कोई भी प्रयास ठंडा और निरर्थक नहीं रह जाएगा। अलाव में अपना कुछ नहीं। जोड़-बटोरकर वह आग जलाए हुए है। बुझेगा, लेकिन फिर जलने के लिए। आग कभी स्थिर नहीं होती उसकी। वह सुलगती है, जलती है, तेज होती है और मद्धम पड़ती है। लेकिन, किसी भी वक्त अपने भीतर की चिंगारी को खामोश नहीं होने देती। जिंदगी का सफर भी ऐसा ही है कुछ, उतार-चढ़ाव से भरा। कभी निराशा का धुआं बिल्कुल अंधा बना देता है और कभी सफलता की लौ अपनी चमक के आगे कुछ देखने नहीं देती। संतुलन इनके बीच में है, जहां हमें गर्मी भी चाहिए और रोशनी भी।

महाराष्ट्र में छाया योगी का मैजिक 18 के लिए किया प्रचार 17 जीते

आज का राशिफल

मेष : [illegible] शुभांक 3.5.7

वृषभ : [illegible] शुभांक 3.6.9

मिथुन : [illegible] शुभांक 2.6.9

कर्क : [illegible] शुभांक 4.6.7

सिंह : [illegible] शुभांक 2.5.8

कन्या : [illegible] शुभांक 2.5.7

तुला : [illegible] शुभांक 2.6.9

वृश्चिक : [illegible] शुभांक 2.5.8

धनु : [illegible] शुभांक 4.6.8

मकर : [illegible] शुभांक 3.6.9

कुंभ : [illegible] शुभांक 1.5.8

मीन : [illegible] शुभांक 1.6.9

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5431

1		8			6	4		
		6		9		8		7
5								
2	6	9	5				8	
			4		9			
	8				2	7	9	1
								5
6		4		7		2		
		1	2			9		3

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5430

8	3	6	9	5	7	1	2	4
2	7	1	3	8	4	9	6	5
5	9	4	1	2	6	8	7	3
3	2	7	4	6	1	5	9	8
9	1	8	5	7	3	6	4	2
6	4	5	2	9	8	7	3	1
7	6	2	8	4	5	3	1	9
1	8	9	7	3	2	4	5	6
4	5	3	6	1	9	2	8	7

वर्ग पहेली 5431

संकेत: बाएं से दाएं

1. ब्रिटेन ने इस देश को 29 अगस्त 1945 को जापान से मुक्त किया (4)
5. वचन, प्रतिज्ञा, इकरार (2)
7. विवाह के पूर्व की एक रस्म (4)
8. [illegible] (3)
10. हजरत मुहम्मद की [illegible] (2)
11. [illegible] (5)
13. [illegible] (2)
14. [illegible] (2)
15. [illegible] (2)
16. भास्कर, दिनपति, दिवाकर (2)
18. [illegible] (3)
22. [illegible] (4)
24. 1948 में प्रदर्शित [illegible] (5)
25. [illegible] (2)

ऊपर से नीचे

1. जल्दी-जल्दी और लंबी-लंबी सांसें लेना (3)
2. [illegible] (6)
3. [illegible] (2)
4. [illegible] (6)
5. [illegible] 1969 की फिल्म (3)
6. [illegible] (3)
9. [illegible] (2)
12. [illegible] (3)
17. [illegible] (4)
19. [illegible] (3)
20. [illegible] (2)
21. [illegible] (2)
22. [illegible] (2)
23. [illegible] (2)

वर्ग पहेली 5430 का हल

आ	बि	दा	यु	ला	न		ट
ज	ज		दा		या	सि	का
न	मी		दा	य	ह		
क		न	य		मा	प	क
	अ	ट	क	ल		म	ह
लू		प		क्ष		जी	या
	फु	ही	ला		ना	प	
आ	ट		भ	ट	ला	ह	

एक शाम भोले के नाम कार्यक्रम की प्रस्तुति हुई

मंदसौर, 28 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव मेला में प्रतिदिन रात्रि 8.30 बजे से देर रात्रि तक सांस्कृतिक रंगमंचीय कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां हो रही है। कल बुधवार को रात्रि को नपा परिषद के द्वारा एक शाम भोले के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रसिद्ध भजन गायिका हर्षिता कड़ोतिया, माया चौहान, भजन गायक शौकीन कीर, कबीर शुल्का, सुनील बैरवाल, राजकुमार अग्रवाल के द्वारा भगवान शिव व अन्य देवी देवताओं की महिमा बताने वाले भक्ति गीतों की प्रस्तुति दी गई।

हर्षिता कड़ोतिया ने ओम नमः शिवाय गीत की प्रस्तुति से शुरूआत की। उन्होंने होली खेले मसाने में गीत पर खूब दाद बटोरी। हर्षिता ने सांवरियाजी के गीत भी गाये जिस पर धर्मालुजन भाव विभोर होकर नृत्य करने लगे। कबीर शुक्ला ने अपने भक्ति गीतों की शुरूआत गणेश वंदना के गीत मेरी विनती सुनो गजानंद से की। उन्होंने नगर में जोगी आया गीत पर खूब दाद बटोरी। इसके बाद कबीर शुक्ला ने बाहुबली फिल्म का प्रसिद्ध गीत कहा से वो आया भी प्रस्तुत किया जिसे सभी ने सराहा। उन्होंनें बजरंग बली के प्रसिद्ध गीत जय जय बजरंग बली जो भी तुझे पुकारे उसकी विपदा टली गीत की प्रस्तुति दी। उन्होनें ऐसा डमरू बजाया शिव ने सारा कैलाश पर्वत मगन हो गया गीत पर खूब दाद बटोरी। कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथि के रूप में पधारे पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष मदनलाल राठौर, वरिष्ठ समाजसेवी गुरूचरण बग्गा, रमेशचन्द्र चन्द्रे, कन्हैयालाल सोनगरा, मनुदेव आर्य राजाराम तंवर, डॉ. रविन्द्र पाण्डेय, सत्येन्द्रसिंह सोम, डॉ. देवेन्द्र पुराणिक, अग्रवाल समाज अध्यक्ष आशीष गुप्ता, समाजसेवी राजेश मित्तल, जगदीश गुर्जर ढिकोला, शिवनारायण गुर्जर, महेन्द्र परिहार, विश्वमोहन अग्रवाल, महिला नेत्री श्रीमती रानी सिंहल, नेहा मित्तल, ज्योति गुप्ता (पूर्व जिला पंचायत सदस्य), आशादेवी अगवाल, बीना मित्तल, डॉ. प्रवीण मण्डलोई के द्वारा माता सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। अतिथियों का स्वागत नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, मेला सभापति भावना जयप्रकाश पमनानी, मेला समिति सदस्यगण रेखा राजेश सोनी ऐरावाला, दिव्या अनूप माहेश्वरी, ईश्वरसिंह चौहान एडवोकेट, दीपक गाजवा, माया भावसार, संगीता शेलेन्द्र गोस्वामी आदि के द्वारा किया गया।

महारानी शाकउमा विद्यालय में संविधान दिवस व गीता महोत्सव मनाया, स्वेटर वितरीत किए

मंदसौर, 28 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। सी एम राईज़ महारानी लक्ष्मी बाई शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मंदसौर में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी उत्साह पूर्वक हर्षोउल्लास के साथ संविधान दिवस व गीता महोत्सव उत्साह के साथ मनाया गया। इस दौरान जरूरतमंद छात्राओं को स्वेटर भी वितरित किये गये। शासकीय महाविद्यालय मंदसौर के सेवानिवृत्ति पूर्व प्राचार्य डॉ. श्री आर के सोहोनी, विद्यालय के प्राचार्य श्री के.सी. सोलंकी एवं श्री हामिद खान जैदी ने भारत रत्न, परम डॉ भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर संविधान दिवस के कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। डॉ. सोहनी का स्वागत प्राचार्य प्राचार्य श्री के सी सोलंकी, श्री हामिद खान जेदी, श्रीमती रेणुका आचार्य, सुश्री आरती शर्मा एवं अन्य स्टाफ सदस्य ने किया।

श्रीमती रेणुका आचार्य ने संविधान पर प्रकाश डालते हुए एकल संक्रमणीय मत प्रणाली, इकहरी नागरिकता एवं संविधान में महिलाओं के योगदान पर विस्तृत चर्चा की। तत्पश्चात श्री हामिद खान जैदी ने संविधान के महत्व को बताते हुए, संविधान द्वारा नागरिकों को दिए गए मौलिक अधिकारों एवं संविधान को जीवन में आत्मसात करने का संदेश दिया। विद्यालय के प्राचार्य श्री के.सी. सोलंकी ने डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवन के कठिन परिश्रम पर प्रकाश डालते हुए, उनके संघर्ष व त्याग से संविधान निर्माण तक विस्तार से जानकारी दी। बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने 2 वर्ष 11 माह, 18 दिन रात दिन एक करके भारतीय संविधान को अंतरिम रूप दिया साथ ही संविधान की उद्देशिका का सामूहिक वाचन कराया एवं छात्राओं को और शिक्षकों को संविधान का पालन करने की शपथ दिलवाई। डॉ. आर के सोहोनी ने संविधान दिवस के अवसर पर और ओजस्वी शैली में संविधान के निर्माण, संविधान की प्रारूप समिति एवं डॉ. अंबेडकर के संविधान निर्माण में योगदान पर विस्तार से बताया। आपने संविधान को सर्वोपरि बताया एवं धर्मनिरपेक्षता गणतंत्र लोकतंत्र आदि पर विस्तार से जानकारी दी। महात्मा गांधी नेहरू जी पेरियार स्वामी सरदार पटेल आदि महापुरुषों का भी संवैधानिक महत्व बताया 26 नवंबर 1949 को संविधान बनकर तैयार हुआ। लेकिन इसे 26 जनवरी 1950 को क्यों लागू किया इसका महत्व भी बताया। संविधान दिवस के अवसर पर विद्यालय की छात्राओं ने मौलिक अधिकार, संविधान, संसद आदि विषयों पर चित्रकला के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मध्यप्रदेश शासन के आदेश अनुसार 26 नवंबर से 28 नवंबर 2024 तक विद्यालय में गीता महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है जिसमें कक्षा 9 वी से 12वीं तक कि छात्राओं ने बडे ही उत्साह के साथ गीता जी से संबंधित अध्ययन किया। एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में सहभागिता की। गीता महोत्सव के कार्यक्रम का संचालन श्री राजेश रत्नावत, श्री कुंदन सांखला श्रीमती अल्का रत्नावत, श्री मनीष गुप्ता ने किया। इस अवसर पर विद्यालय की 25 जरूरतमंद छात्राओं को प्राचार्य श्री के सी सोलंकी द्वारा स्वेटर वितरण किए गए। इस अवसर पर विद्यालय की समाज शिक्षक एवं शिक्षिकाएं भी उपस्थित थे। श्रीमती रेणुका आचार्य ने संविधान एवं मौलिक अधिकार का जीवन में महत्व बताते हुए छात्राओं को अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया, एवं अमूल्य समय प्रदान करने पर, अतिथि का आभार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन श्री कुंदन सांखला ने किया।

रानी कैकेई ने राजा दशरथ से मांगे दो वरदान, श्री राम को 14 वर्ष का वनवास और भरत को अयोध्या का राज

नीमच, 28 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। श्री रामायण महोत्सव एवं एवं रामलीला उत्सव सनातन धर्म प्रचारक रामायण रामलीला मंडल एवं रामलीला मंडल विंध्याचल धाम काशी उत्तर प्रदेश के नेतृत्व में नाट्य कला रामलीला मंडल के तत्वावधान में जनसहयोग से आयोजित 10 दिवसीय रामलीला मंचन का आयोजन आयोजित किया जा रहा है।रामलीला के मंचन से इन दिनों पूरा क्षेत्र अयोध्या धाम बना हुआ है। प्रतिदिन बड़ी की संख्या में श्रद्धालुओं का जनसैलाब रामलीला के मंचन को देखने के लिए उमड़ रहा है। सभी राम नाम की भक्ति सरिता में डुबकीयां लगा रहे हैं। रामलीला मंचन में रानी केकई ने मंथरा कहेनुसार राजा दशरथ से दो वरदान मांगे जिसमें एक तो भगवान श्री राम को 14 वर्ष के लिए वनवास और दूसरा वरदान धर्म के प्रतिक भरत जी को अयोध्या का राजा बनाने के जैसे ही राजा दशरथ सुनते ही पुत्र मोह में आकर मुर्छित होकर जमीन पर गिर पडे और विलाप करने लगे। राजा दशरथ को याद आई युवावस्था में शिकार खेलने के वक्त श्रवण कुमार के अंधे माता पिता को प्यास लगने पर सरोवर में पानी भरने गया उसी दौरान पानी की आवाज को सुनकर

शिकार समझकर राजा दशरथ ने शब्द भेदी बाण चला दिया, जिससे श्रवण के बाण लगने से प्राण पखेरू उड़ गए।जब देखा तो शिकार नहीं बल्कि श्रवण कुमार था। श्रवण कुमार के बुढे अंधे माता पिता ने भी हाय श्रवण हाय श्रवण करते हुए दोनों ने प्राण त्याग दिए। माता पिता ने राजा दशरथ को भी आक्रोश में आकर श्राप दे दिया कि आज हम हाय श्रवण हाय श्रवण करते हुए प्राण त्याग रहे हैं उसी तरह तुम भी चार -चार पुत्र होते हुए भी तुम्हारे पास एक भी पुत्र नहीं रहेगा और हाय राम हाय राम करते हुए मरोगे। शिकार केवट मल्लाह द्वारा भगवान श्री राम को अपनी नाव में बिठाकर गंगा के उस पार उतारा ,राजा दशरथ का राम के वियोग में प्राण त्याग प्रसंग पर नाट्य रूपांतरण बड़े ही मार्मिक ढंग से प्रस्तुत किया गया। रामलीला मंचन के प्रारंभ में श्रद्धालु भक्तों द्वारा श्री रामायण ग्रंथ के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर आरती कार्यक्रम का शुभारंभ किया। आमंत्रित अतिथियों का रामलीला मंचन समिति के पदाधिकारीयों द्वारा स्वागत किया गया। भगवान श्री राम के 14 वर्ष के लिए वनवास का करुणामय प्रसंग की प्रस्तुति पर रामलीला मैदान में उपस्थित श्रद्धालुओं में उदासी छा गई।वे सभी भाव विभोर हो गए। श्री राम, सीता और लक्ष्मण राज वेश छोड़ कर वनवासी वस्त्र धारण कर पिता की आज्ञा को शिरोधार्य करते हुए वन के लिए निकल पड़े।

रामलीला मंच पर श्री राम और हनुमान का मिलन, बाली और सुग्रीव युद्ध, 10 दिवसीय रामलीला मंचन के सातवें दिन रात्रि 7 बजे रामलीला के रंग मंच पर रामलीला के प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा शानदार नाट्य रूपांतरण में भगवान श्री राम का शबरी कुटिया प्रवेश ,शबरी को दर्शन, नवदा भक्ति, शबरी को ग्रहण करवाएंगे, ऋषि मुक्त पर्वत पर भगवान श्री राम का हनुमान मिलन, बाली और सुग्रीव दोनों भाइयों के बीच महायुद्ध, भगवान राम के बाणों से बाली का वध सहित कई प्रसंगों का नाट्य रुपांतरण किया जाएगा। आरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया। रामलीला मंडल संचालक प्रशांत मिश्रा एवं नवीन मिश्रा एवं अन्य पदाधिकारीयों ने क्षेत्र की समस्त धर्म प्रेमी जनता से अनुरोध किया है कि निर्धारित समय पर विकास नगर दुर्गा वाटिका स्थित आयोजित रामलीला के मंचन में पहुंचकर धर्म लाभ लें।

शासकीय अशासकीय शालाओं में इस वर्ष 16 से होगा अर्द्धवार्षिक मूल्यांकन

मंदसौर, 28 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश की शासकीय एवं अशासकीय शालाओं में शैक्षणिक सत्र 2024-25 में इस वर्ष 16 दिसम्बर से अर्द्धवार्षिक मूल्यांकन किया जायेगा। इसके लिये स्कूल शिक्षा विभाग ने दिशा-निर्देश जारी किये हैं।

यह अर्द्धवार्षिक मूल्यांकन कक्षा 3 से 8 की सभी शासकीय शालाओं, अशासकीय शालाओं के साथ मदरसों में भी होगा। अद्धवार्षिक मूल्यांकन 16 से 21 दिसम्बर की अवधि में किया जायेगा। अर्द्धवार्षिक मूल्यांकन 30 नवम्बर 2024 तक पढ़ाये गये पाठ्यक्रम के अनुसार किया जायेगा। मूल्यांकन के लिये प्रश्न पत्र राज्य शिक्षा केन्द्र तैयार कर रहा है। कक्षा 5 और 8 के विषयवार प्राप्त अंकों की प्रविष्टि परीक्षा पोर्टल पर की जायेगी। अधिभार की गणना शाला द्वारा नहीं की जायेगी। यह गणना सॉफ्टवेयर में स्वत: ही हो जायेगी। इस संबंध में विस्तृत निर्देश स्कूल शिक्षा विभाग के पोर्टल पर अपलोड कर दिये गये हैं। कक्षा 5 और 8 के बच्चों की पंजीकरण की व्यवस्था ऑनलाइन पोर्टल ीइाा.ळिपिर की गई है।

अतिरिक्त अतिथि शिक्षकों को रिलीव करने संबंधी निर्देश-स्कूल शिक्षा विभाग ने GFMडपोर्टल पर पूर्व से कार्यरत अतिरिक्त अतिथि शिक्षकों को रिलीव करने के संबंध में प्रदेश के समस्त जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिये हैं। निर्देश में बताया गया है कि शासकीय शालाओं में नवीन भर्ती से शिक्षकों की पदस्थापना की गई है। इसके साथ ही उच्च पद प्रभार से भी शिक्षक पदस्थ किये गये हैं। इस कारण स्वीकृत पद के विरूद्ध रिक्त पद उपलब्ध न होने पर संबंधित विषय में कार्यरत अतिथि शिक्षकों को रिलीव किया जाना होगा। इस संदर्भ में एक ही विषय में एक से अधिक अतिथि शिक्षक कार्यरत हैं तथा रिक्त पद एक ही है, तो अतिथि शिक्षक को रिलीव करने की कार्यवाही की जायेगी। इस संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश स्कूल शिक्षा विभाग के पोर्टल पर प्रदर्शित किये गये है।

43वें आईआईटीएफ में मप्र मंडप स्वर्ण पदक से सम्मानित

मंदसौर, 28 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। दिल्ली स्थित भारत मंडपम में 14 से 27 नवम्बर तक आयोजित हुए 43वें भारत अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला (आईआईटीएफ) में मध्यप्रदेश के मंडप को राज्यों की श्रेणी में सब्जेक्टिव प्रेजेंटेशन में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया है। बुधवार को आयोजित एक समारोह में यह पुरस्कार इंडिया ट्रेड प्रमोशन ऑर्गेनाइजेशन के प्रबंध निदेशक श्री प्रदीप सिंह खरोला ने मध्यप्रदेश मंडप के संचालक श्री बीएन तिवारी को प्रदान किया। कार्यक्रम में एमपीआईडीसी के शाखा प्रबंधक श्री सी के प्रिंस और मध्यप्रदेश मंडप के विशेष सहायक श्री जगमोहन भी उपस्थित थे।

पशुपतिनाथ मेले में लगा विधिक सेवा प्राधिकरण का स्टॉल

मंदसौर, 28 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/ अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर श्री कपिल मेहता के मार्गदर्शन तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं जिला न्यायाधीश सिद्धार्थ तिवारी के निर्देशन में मंदसौर में चल रहे वार्षिक भगवान पशुपतिनाथ मेले में चन्द्रपुरा मार्ग पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मंदसौर द्वारा स्टॉल लगाई गई है, जिसका औपचारिक शुभारंभ जिला स्थापना के समस्त न्यायाधीशगण की उपस्थिति में माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री कपिल मेहता द्वारा फीता काटकर किया गया। उक्त स्टॉल पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा विभिन्न वर्गो

हेतु संपादित गतिविधियों की प्रदर्शनी भी लगाई गई है। विधिक सेवा के स्टॉल पर प्रतिदिन पैरालीगल वालेन्टियर्स द्वारा सेवाये दी जा रही है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की इस अनुकरणीय पहल से मेले में पहुँच रहे लोगो कानूनी जानकारी मिलने के साथ ही अपने कानूनी अधिकारों के प्रति लोगों को जागरूक भी किया जा रहा है। इस अवसर पर विशेष न्यायाधीश श्री अजय कुमार सिंह, प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय मंदसौर श्री गंगाचरण दुबे एवं जिला स्थापना के समस्त न्यायाधीशगण एवं पैरा लीगल वॉलिंटियर् उपस्थित रहे।

दो छात्राओं का राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में चयन

मंदसौर, 28 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। शासकीय कन्या महाविद्यालय मंदसौर के प्राचार्य डा. सुधीर रायजादा ने बताया की छात्राओं को द्वारा जिला स्तरीय रिजर्व बैंक प्रतियोगिता RBI@90 Quiz में सहभागिता की जो कि भारतीय रिजर्व बैंक के 90 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य पर आरबीआई द्वारा आयोजित की गई थी इसमें मध्य प्रदेश के 7000 टीमो ने भाग लिया था जिसमें से अगले स्तर पर केवल 91 टीमों का राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में चयन होना था इन 91 टीमों में कन्या महाविद्यालय मंदसौर की दो छात्राओं एंजेलिना पाठोद बी.कॉम द्वितीय वर्ष तथा रिया पाटीदार बी.कॉम द्वितीय वर्ष का चयन हुआ। यह राज्य स्तरीय प्रतियोगिता ताज होटल भोपाल में 26 नवंबर 2024 को आयोजित हुई। इस प्रतियोगिता में डॉ. स्मिता मंडलोई ने मेंटर के रूप में छात्राओं के साथ सहभागिता की।

कृति भाटी ने बढ़ाया मान, हुआ नेशनल में चयन

मंदसौर, 28 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। भोपाल में आयोजित 19 नवंबर से 28 नवंबर तक इंडिया ओपन कंपटीशन में भारत के सभी राज्यों से राइफल शूटर्स ने हिस्सा लिया जिसमें कृति भाटी ने सीनियर कैटेगरी में भाग लिया । कृति भाटी महाराणा प्रताप राइफल क्लब मंदसौर की कोच एवं राइफल शूटर हैं जिन्होंने 10 मीटर राइफल शूटिंग मे बेहतरीन प्रदर्शन करके 400 में से 387 अंक प्राप्त किये एवं 50 मी प्रोन पोजीशन राइफल शूटिंग में 600 में से 554 अंक प्राप्त करके नेशनल में अपनी जगह बनाई । 15 दिसंबर से भोपाल में आयोजित नेशनल कंपटीशन में कृति भाटी भाग लेंगी।

हम होंगे कामयाब पखवाड़ा अंतर्गत महाविद्यालय में कार्यक्रम सम्पन्न

मंदसौर, 28 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। हम होंगे कामयाब पकड़ा अंतर्गत जिले के विभिन्न स्कूलों एवं कॉलेज में कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं। इंदिरा गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंदसौरमें कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस दौरान बालिकाओं को जेंडर समानता एवं घरेलू हिंसा से बचाव एवं वन स्टॉप सेंटर द्वारा दी जा रही सेवाओं एवं गतिविधियों की जानकारी दी गई। महिला हिंसा उन्मूलन की शपथ दिलवाई गई। छात्राओं को बाल विवाह एवं चाइल्ड हेल्पलाइन तथा वूमेन हेल्पलाइन 1091 के बारे में जानकारी दी गई। बाल विवाह कानून हेल्पलाइन नंबर 1098 एवं होने वाले अपराधों से बचने के लिए पुलिस प्रशासन की मदद हेतु प्रेरित किया गया। इस दौरान मानव श्रृंखला बनाकर बाल विवाह न करने संबंधी शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर,नगर पालिका उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता प्रीतेश चावला, परियोजना अधिकारी बी आर मुजाल्दे एवं महाविद्यालय प्राचार्य श्री पीएल पाटीदार एवं छात्राएं उपस्थित थी।

जिले में नवीन उद्योग स्थापना के लिए अपार संभावनाए है-चन्द्रा

नये औद्योगिक कलस्टोर एवं औद्योगिक क्षेत्र हो रहे है विकसित, नीमच में पर्याप्त लैण्ड बैंक उपलब्ध

नीमच, 28 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। नीमच जिले में नवीन उद्योगों की स्थापना के लिए अपार संभावनाए है। जिले में नये औद्योगिक कलस्टर एवं औद्योगिक क्षेत्रों के विकास कार्य हो रहे हैं। इन कलस्टरों और क्षेत्रों में पर्याप्त भूमि, भूखण्ड उपलब्ध है। यह जानकारी विधायक श्री ओमप्रकाश सखलेचा, श्री दिलीप सिंह परिहार एवं श्री अनिरूद्ध मारू की उपस्थिति एवं कलेक्टर श्री हिमांशु चन्द्रा की अध्यक्षता में गुरूवार को कलेक्टोरेट सभाकक्ष नीमच में औद्योगिक निवेश एवं नवीन उद्योगों की स्थापना को प्रोत्सााहित करने के लिए आयोजित बैठक में दी गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री अंकित जायसवाल, जिला पंचायत सी.ई.ओ. श्री अरविंद डामोर, उद्योग संघ के अध्यक्ष, प्रतिनिधि, मण्डी व्यापारी संघ के पदाधिकारी, मण्डी व्यापारी, लघु उद्योग भारती के पदाधिकारी, उद्योगपति एवं विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में महाप्रबंधक उद्योग सुश्री योगिता भटनागर ने अवगत कराया, कि जिले में नवीन उद्योगों की स्थापना के लिए पर्याप्त भूमि उपलब्ध है। चैनपुरा में 55 हेक्टेयर, बामनबर्डी में 67 हेक्टेयर, जाट में 81 हेक्टेयर, जनकपुर में 3 हेक्टेयर, दारू में 55 हेक्टेयर, एवं सगराना में 57 हेक्टेयर भूमि नवीन उद्योगों की स्थापना के लिए उपलब्ध है। केशरपुरा, दुधवा एवं सगराना में नवीन औद्योगिक कलस्ट्र प्रस्तावित किए जाकर, विकास कार्य जारी है। केशरपुरा में 5 उद्योगिक ईकाई में 40 करोड़ के निवेश प्रस्ताव, सगराना में 5 ईकाईयों के लिए 44 करोड एवं दारू में 34 ईकाईयों की स्थापना के लिए 72 करोड़ के प्रस्ताव प्राप्त हुए है।

मनासा के देवरी खवासा में एवं नीमच के चीताखेड़ा में औद्योगिक विकास निगम द्वारा नए औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए जा रहे हैं। बैठक में विधायक श्री सखलेचा ने विधानसभा क्षेत्रवार औद्योगिक क्षेत्रों, कलस्टंरों में हुए विकास कार्यो एवं नवीन उद्योग स्थापना के कार्य के संबंध में पॉवर प्रेजेंटेशन तैयार कर उपलब्ध करवाने विधायक श्री परिहार ने औद्योगिक क्षेत्रों की जमीन पर अवैध अतिक्रमण नहीं होने देने व विधायक श्री मारू ने नये औद्योगिक क्षेत्रों का पूर्ण विकास कार्य करवाकर उद्योगों को भू-खण्ड आवंटित करने का सुझाव दिया। बैठक में उद्योग संघ के प्रतिनिधियों ने भी अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिये। बैठक में कलेक्टर श्री हिमांशु चन्द्रा ने कहा, कि 30 नवम्बर को नीमच में नवीन उद्योग स्थापना एवं निवेश प्रोत्साहन के लिए एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की जा रही है। इस कार्यशाला में निवेशक उद्योगपति, नव उद्यमी, उद्यमी उपस्थित होकर अपने महत्वपूर्ण सुझाव दे सकते हैं। कार्यशाला में उद्योग स्थापना के लिए शासन से मिलने वाली ऋण व अनुदान योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी भी दी जावेगी।

मप्र लघु वेतन कर्मचारी संघ सीधी भर्ती के विरोध में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा

मंदसौर, 28 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। म. प्र. लघु वेतन कर्मचारी संघ जिला शाखा मंदसौर के अध्यक्ष चम्पालाल चैहान ने बताया कि चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की सीधी भर्ती किए जाने और रिक्त नियमित पद के विरूद्ध आउट सौर्स की भर्ती नहीं किए जाने को लेकर कलेक्टर मंदसौर के माध्यम से संयुक्त कलेक्टर राहुल चैहान को व मुख्यमंत्री मुख्य सचिव एवं प्रमुख सचिव वित म. प्र. शासन भोपाल को संबोधित ज्ञापन पत्र सौपा गया है। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा जारी परिपत्र 18 नवंबर 2024 कर्मचारी विरोधी है। जिससे प्रदेश के कार्यभारित, दैनिक वेतनभोगी, स्थाई कर्मी और अंशकालीन सफाई कर्मियों सहित अन्य सभी का नियमितीकरण बाधित हो जाएगा। अत: पूर्व की भांति अन्य सभी कर्मचारी संवर्गो की तरह नियमित नियुक्ति किया जाए। चैहान ने मांग की है कि आउटसोर्स अस्थाई कर्मचारी को ठेका प्रथा समाप्त करते हुए शासकीय एजेंसी का निर्माण कर कलेक्टर दर से भुगतान किया जाए एवं कार्यभारित, दैनिक वेतन भोगी स्थाई कर्मी अंशकालीन आदि को रिक्त नियमित पद पर समायोजित किया जाए।

साथ ही ग्राम कोटवार का भी ज्ञापन दिया गया जिसमें शासन द्वारा 500 रू. की वृद्धी की गई है। लेकिन इन्हे इसका लाभ आज दिनांक तक नही मिला है। ज्ञापन सौपने में उपस्थित म. प्र. लघु वेतन कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष चम्पालाल चैहान, तहसील अध्यक्ष सुजानमल जैन, पूर्व जिला अध्यक्ष अशोक शर्मा, पेंशनर संघ से सतिश नागर, गोवर्धनलाल परमार अध्यक्ष संघ के जिला सचिव राधेश्याम देवडा, कोषाध्यक्ष तेजकरण जोशी, भेरूलाल पंवार, प्रवीण आर्य, तहसील अध्यक्ष मल्हारगढ मदनलाल पंवार, प्रहलाद राठौर, कोटवार संघ अध्यक्ष गोपाल साहू, श्यामलाल बामनिया, भारतसिंह चुण्डावत, सीतामउ, रंगलाल नायक, पुष्पा जोशी, सुमित्रा साखला, कविता यादव, मंजु चंदेल, सीमा सालवी, तृप्ती चैहान, सीमा राठौर, जगदीश चंरेढ, राजू चावडा, घनश्याम मेघवाल, आशो बैरागी, राजेश द्विवेदी भानपुरा, नंदलाल सौलंकी, बगदीराम, भंवरलाल सूर्यवंशी, प्रकाश, बालाराम, रामचन्द्र सिसौदिया, मांगीलाल मिणा, सुनिल, कमल, शिवनारायण प्रजापत, रामचरण, नेहा घोसर आदि कर्मचारी उपस्थित थे।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान को दिया समर्थन

मंदसौर, 28 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। भारत सरकार की ओर से नई दिल्ली में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की शुरुआत के बाद जिला प्रशासन ने विदिशा सोशल वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन के सहयोग से किया रैलियों व शपथ ग्रहण कार्यक्रमों का आयोजन। कार्यक्रम में मौजूद सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री सिद्धार्थ तिवारी ने मंदसौर को बाल विवाह मुक्त बनाने का दिलाया संकल्प। विदिशा सोशल वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन बाल अधिकारों के संरक्षण के लिए काम कर रहे 250 से भी ज्यादा गैरसरकारी संगठनों के देशव्यापी गठबंधन जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन का सहयोगी संगठन है।

भारत सरकार के नई दिल्ली के विज्ञान भवन में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के उद्घाटन के मौके पर जिला प्रशासन ने मंदसौर में बाल विवाह के खिलाफ काम कर रहे गैरसरकारी संगठन विदिशा सोशल वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन के साथ मिलकर जागरूकता रैलियों का आयोजन किया और लोगों को बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई। विदिशा सोशल वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन बच्चों की सुरक्षा व संरक्षण के लिए देश के 400 से भी ज्यादा जिलों में काम कर रहे 250 से भी ज्यादा गैरसरकारी संगठनों के गठबंधन जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) का सहयोगी सदस्य है। इस मौके पर सी एम राइज महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में हुए समारोह में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री सिद्धार्थ तिवारी ने स्कूली बच्चों, महिलाओं और पंचायत प्रतिनिधियों व अन्य को बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई। जिले में जगह-जगह हुए कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, पंचायत प्रतिनिधियों, आशा व आंगनवाडी कार्यकर्ताओं, शिक्षकों, बाल विवाह निषेध अधिकारी (सीएमपीओ) के अलावा बाल विवाह पीडिताओं ने भी भागीदारी की और बाल विवाह के खिलाफ शपथ ली। यह कार्यक्रम देश से बाल विवाह के खात्मे के लिए भारत सरकार के बाल विवाह मुक्त भारत के आह्वान के समर्थन में किया गया, जिसका उद्घाटन 27 नवंबर को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने

किया। दौरान उन्होंने पंचायतों और स्कूलों को बाल विवाह के खिलाफ शपथ दिलाई। उम्मीद की जा रही है कि जल्दी ही शपथ लेने वालों की संख्या 25 करोड़ तक पहुंच जाएगी। इस मौके पर बाल विवाहों की सूचना व शिकायत के लिए एक राष्ट्रीय पोर्टल भी शुरू किया गया।

इस राष्ट्रव्यापी अभियान और जमीन पर इसके असर की चर्चा करते हुए विदिशा सोशल वेलफेयर ऑर्गेनाइजेशन के निदेशक राम रघुवंशी ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में बाल विवाह के खात्मे के लिए महिला एवं बाल कल्याण मंत्रालय की ओर से शुरू किया गया अभियान इस बात का सबूत है कि सरकार इस सामाजिक बुराई की गंभीरता से अवगत है। आज भी देश में 23 प्रतिशत से ज्यादा लडकियों का बाल विवाह होता है जो न सिर्फ जीवनसाथी चुनने के उनके अधिकार का हनन है बल्कि इससे लडकियों की शिक्षा, स्वास्थ्य के साथ रोजगार और आर्थिक निर्भरता की उनकी संभावनाओं पर भी बेहद बुरा असर होता है। सरकार की योजना इस अभियान में सभी हितधारकों को साथ लेकर चलने की है और जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन का सहयोगी संगठन होने के नाते हम इसमें पूरी तरह साथ हैं। वर्षों से बाल विवाह के खिलाफ काम करने के नाते हम भली भांति जानते हैं कि समग्र और समन्वित प्रयासों के बिना यह लड़ाई नहीं जीती जा सकती। लेकिन अब हमें विश्वास है कि सरकार और नागरिक समाज के साझा प्रयासों से भारत 2030 से पहले ही बाल विवाह के खात्मे के लक्ष्य को हासिल कर सकता है।

मंदसौर मंडी भाव

उपज	आवक बोरी में	न्यूनतम	अधिकतम
मक्का	221	2300	2450
उडद	68	5201	6700
सोयाबीन	5000	3851	4385
गैहु	1767	2700	3051
चना	243	5690	6600
मसुर	129	5400	6261
धनिया	214	5800	7351
लहसुन	11500	12501	28200
मैथी	740	4800	5850
मुंगफली	6500	3500	5200
अलसी	1302	5500	6000
सरसो	275	5460	5820
तारामीरा	0000	0000	0000
इसबगोल	100	9000	13000
प्याज	13500	1200	3650
कलौंजी	21	10600	18580
तुलसी बीज	8	16900	20651
डॉलर	44	6800	11500
तिल्ली	22	10000	12500
जौ	29	2570	2575
मटरसुखी	0000	0000	0000
असालीया	6	10191	10991
चियाबीज	8	15260	15691

मंदसौर में स्वच्छता अभियान की पोल खोलती तस्वीरें: नाले भरे, सड़कें गंदी, प्रशासन नाकाम

मंदसौर, 28 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए स्वच्छता अभियान चलाने का दावा करने वाली नगरपालिका की हकीकत कुछ और ही है। शहर की गलियों और मुख्य मार्गों पर बहती गंदगी, कचरे से भरे नाले, और सडक पर जमा पानी यह स्पष्ट करता है कि स्वच्छता के वादे केवल कागजों तक सीमित रह गए हैं। नगर में दीवारों पर स्वच्छता से जुडे स्लोगन जरूर लिखे गए हैं, लेकिन जमीनी हकीकत इन वादों की धज्जियां उड़ाती नजर आ रही है।

नाले और गंदगी बनी बड़ी समस्या–शहर में जगह-जगह गंदगी से भरे नाले जाम हो चुके हैं। स्थिति यह है कि नालों का पानी सड़कों पर बहता है, जिससे आम नागरिकों को असुविधा का सामना करना पड़ता है। बदबू और गंदगी से क्षेत्र के निवासी परेशान हैं। नगर के स्वास्थ्य अधिकारी और सेनेटरी इंस्पेक्टर हेमचंद शर्मा के बड़े-बड़े वादों के बावजूद सफाई व्यवस्था चरमराई हुई है।

40 वार्ड और 850 कर्मचारी, फिर भी सफाई नदारद–मंदसौर नगर पालिका के अंतर्गत 40 वार्ड आते हैं, जहां लगभग 850 सफाई कर्मचारी कार्यरत हैं। सफाई का काम दो शिफ्टों में होना बताया जाता है, लेकिन स्थिति यह है कि सफाई कर्मचारी कब और कहां काम कर रहे हैं, इसका कोई सटीक रिकॉर्ड नहीं है। शहरवासियों का कहना है कि अधिकारी शायद ही कभी अपनी कुर्सी छोड़कर हालात का जायजा लेने सड़कों पर आते हैं।

नेमीचंद राठौर

प्रशासनिक लापरवाही बनी कारण–सेनेटरी इंस्पेक्टर और उनकी टीम के प्रति उदासीनता स्पष्ट दिखती है। सफाई कर्मचारियों पर उचित निगरानी नहीं होने के कारण गंदगी का साम्राज्य बना हुआ है। नागरिकों का कहना है कि अधिकारी अपने कर्तव्य से विमुख हो गए हैं।

शहरवासियों की चिंता–मंदसौर के निवासी इस स्थिति से बेहद परेशान हैं। उनका कहना है कि स्वच्छता केवल दीवारों पर स्लोगन लिखने से नहीं आती, इसके लिए ठोस कदम उठाने पड़ते हैं। शहर को नंबर वन बनाने के सपने दिखाने वाले अधिकारी जमीनी हकीकत पर काम नहीं कर रहे हैं।

जरूरत है कड़े कदम उठाने की–स्वच्छता अभियान को सफल बनाने के लिए प्रशासन को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। सेनेटरी इंस्पेक्टर और उनकी टीम को वार्डों में जाकर निरीक्षण करना चाहिए। सफाई कर्मचारियों पर सख्त निगरानी और नियमित सफाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। फिलहाल मंदसौर कूडेदान बनकर रह गया है। शहरवासियों का कहना है कि अगर प्रशासन जल्द सुधार नहीं करता, तो स्वच्छता अभियान महज एक मजाक बनकर रह जाएगा।

विवाद में लाठियों से हमला, एक का हाथ टूटा, 9 पर प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 28 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। सरकारी जमीन पर अतिक्रमण करने से मना किया तो एक परिवार ने दूसरे परिवार को लाठियों से से हमला किया, इसमें एक का हाथ टूट गया। पुलिस ने नौ आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया। खंखरई निवासी रामनारायण भाटी ने पिपलिया थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि मेरे घर के पास श्यामलाल भाटी ने सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर रखा है, मैंने उसे अतिक्रमण करने से मना किया तो श्यामलाल भाटी के साथ ही इसके परिवार के राजू पिता श्यामलाल, प्रेमबाई पति श्यामलाल, मुरली पिता रायसिंह, विष्णु पिता मुरली, सुनील पिता मुरली, निर्मल पिता घनश्याम, धापूबाई पति घनश्याम, गिरजाबाई पति राजू ने एकमत होकर लाठियों से पीटा। इसमें मेरा हाथ टूट गया। आरोपियों ने मेरे व मेरे बड़े भाई रामनिवास, रेखाबाई के साथ भी मारपीट की। पुलिस ने सभी नौ आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया।

गांवों को उद्यानिकी फसलों के उत्पादन के लिए प्रेरित करें-कलेक्टर

उद्यानिकी, कृषि, पशुपालन, बैंक के कार्यो की समीक्षा बैठक संपन्न

मंदसौर, 28 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग की अध्यक्षता में उद्यानिकी विभाग, कृषि विभाग, विपणन विभाग, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, बैंकर्स की एक संयुक्त बैठक कलेक्टर कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की दौरान सीईओ जिला पंचायत श्री राजेश कुमार जैन, डीएफओ श्री संजय राय खेरे, जिला अधिकारी मौजूद थे।

बैठक के दौरान उद्यानिकी विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि कुछ विशेष गांव में सिर्फ उद्यानिकी फसलों का ही उत्पादन हो, ऐसे गांव को चिन्हित करें तथा वहां पर उद्यानिकी फसलों के उत्पादन को बढ़ाएं। उद्यानिकी मंडी के लिए किसानों को उद्यानिकी फसलों का उत्पादन बढ़ाने की प्रेरित करें। इसके साथ ही नई-नई उद्यानिकी फसलों की जानकारी भी किसानों को प्रदान करें। उद्यानिकी फसल का क्षेत्रफल बढ़ाने के लिए किसानों को सब्सिडी का लाभ प्रदान किया जाए। जिस योजना से किसानों को सब्सिडी मिलती है, उसका व्यापक प्रचार प्रसार हो। कृषि विभाग आगामी दिनों में स्थानीय एपीसी की बैठक गांव में आयोजित करें और बैठक की आवश्यक तैयारी करें। जिला विपणन अधिकारी इस बात का विशेष तौर पर ध्यान रखें कि, यूरिया खाद के लिए एक समय-समय पर रैक बुलाए। जहां पर खाद की कमी हो वहां पर रैक लगाए। सभी बैंक इस बात का ध्यान रखें कि जिन विभाग ने बैंकों को प्रकरण भेजे हैं वह शत प्रतिशत पूर्ण करें। बैठक के साथ-साथ समय पर ब्लॉक स्तर पर बीएलबीसी की बैठक आयोजित करें। आगामी 11 दिसंबर को डीएलसीसी की बैठक आयोजित होगी। उसके पूर्व सभी प्रकरणों का निराकरण करें। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि स्व सहायता समूह को सब्जियों के उत्पादन के लिए प्रेरित करें। इसके लिए कुछ विशेष समूह चिन्हित करें, जिससे अधिक से अधिक सब्जियों को उत्पादन हो। ताकि महिलाओं को अधिक आय प्राप्त हो सके। पशुपालन विभाग दुग्ध संघ की अक्रियाशील संस्थाओं को क्रियाशील करे। जिससे अधिक से अधिक दुग्ध उत्पादन हो।

मारपीट करने वाले आरोपी को 6 माह का कारावास

नीमच, 28 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। श्री अंकित जैन, न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, के द्वारा पुराने विवाद के कारण मारपीट करके गंभीर चोट पहुंचाने वाले जसवंतसिंह उर्फ छोटू पिता मांगूसिंह, उम्र-50 वर्ष, निवासी-ग्राम चंगेरा, जिला नीमच को धारा 325 भारतीय दण्ड संहिता, 1860 के अंतर्गत 06 माह का सश्रम कारावास व 500 रूपये अर्थदण्ड से दण्डित किया।

प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी करने वाली एडीपीओ श्रीमती कीर्ति शर्मा द्वारा घटना की जानकारी देते हुए बताया कि घटना लगभग 05 वर्ष पूर्व की होकर दिनांक 08.01.2019 को शाम के 06 बजे ग्राम मालखेडा रोड स्थित भैरू बावजी के मंदिर के पास की हैं। घटना दिनांक को फरियादी भूपेंद्रसिंह राजपूत निवासी ग्राम कुंडला का नीमच मंडी काम से आया था, जो वापस जा रहा था और वह भैरू बावजी मंदिर के पास रूका तभी वहां पर आरोपी आया और पुरानी रंजीश के कारण वह फरियादी से विवाद करते हुए लात-घुसों से उसके साथ मारपीट करने लगा और उसने पत्थर से फरियादी के मुँह पर मारी जिस कारण फरियादी की नाक पर गंभीर चोट आई और खुन निकलने लगा। घटना पर से आने-जाने वाले लोगों ने बीच-बचाव किया। फरियादी की रिपोर्ट पर से आरोपी के विरूद्ध थाना नीमच सिटी में प्रथम सूचना रिपोर्ट पंजीबद्ध की गई एवं आवश्यक अनुसंधान उपरांत अभियोग पत्र नीमच न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। अभियोजन की ओर से न्यायालय में फरियादी, चश्मदीद साक्षी सहित सभी महत्वपूर्ण गवाहों के बयान कराकर अपराध को प्रमाणित कराते हुवे आरोपी को कठोर दण्ड से दण्डित किये जाने का निवेदन किया गया, जिस पर से माननीय न्यायालय द्वारा आरोपी को उपरोक्त दण्ड से दण्डित किया गया। प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी श्रीमती कीर्ति शर्मा, एडीपीओ द्वारा की गई।

संभाग स्तरीय वालीबाल पुरुष प्रतियोगिता सम्पन्न

मंदसौर, 28 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। उच्च शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश शासन के तत्वाधान में प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंदसौर द्वारा संभाग स्तरीय वॉलीबॉल पुरुष प्रतियोगिता का आयोजन कॉलेज के खेल परिसर में किया गया। पीजी कॉलेज मंदसौर के खेल अधिकारी श्री राजू कुमार ने बताया कि इस प्रतियोगिता में उज्जैन संभाग के सभी 7 जिलों ने सहभागिता की। प्रतियोगिता के फाइनल मैच में मंदसौर ने शाजापुर को हराकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। समापन समारोह में उपस्थित मुख्य अतिथि कॉलेज के जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष श्री नरेश चंदवानी, श्री आशीष गौड, जिला खेल अधिकारी श्री विजेंद्र देवड़ा, पीजी कॉलेज के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ वी पी तिवारी, डॉ टी के झाला एवं खिलाड़ी मौजूद थे। विजेता और उपविजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी और प्रमाणपत्र प्रदान किया और शुभकामनाएं दीं। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर पीजी कॉलेज मंदसौर के 4 खिलाड़ियों कुणाल, अनिल, नमन, और विवेक का चयन विक्रम यूनिवर्सिटी वॉलीबॉल टीम के लिए हुआ।

महिला को पीटा, पति व ननद पर मामला दर्ज

पिपलियामंडी, 28 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। महिला को पीटने पर पुलिस ने पति व ननद पर केस दर्ज किया। चंगेरी सांदा सरोजबाई चौहान ने मल्हारगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि मेरे पति दिलीप ने कहा कि तू बार-बार पीहर क्यों आती है और गाली-गलौज कर मेरे बाल पकड़कर सिर दिवाल पर भड़क दिया, जिससे मेरे सिर से खून निकलने लगा। इसी दौरान मेरी ननद मंजूबाई भी आ गई वह भी मेरे साथ मारपीट करने लगी। जिससे मेरी कमर व हाथ पर चोंट आई। पुलिस ने पति व ननद पर केस दर्ज किया।

डकैतों का सहारा लेना कांग्रेस का चरित्र रहा है-सिसोदिया

भोपाल, 28 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता श्री यशपाल सिंह सिसोदिया ने कहा कि कांग्रेस पार्टी में हर नेता का अपना अलग गुट है, जिसके कारण उसमें गुटबाजी चलती रहती है। फिर एक बार गुरूवार को विजयपुर से नवनिर्वाचित कांग्रेस विधायक मुकेश मल्होत्रा के स्वागत में भी मध्यप्रदेश की कांग्रेस की गुटबाजी सामने आ गयी। प्रदेश कांगेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के प्रदेश कार्यालय में आयोजित मुकेश मल्होत्रा के स्वागत कार्यक्रम के पूर्व ही नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने अपने निवास पर स्वागत कर पटवारी के कार्यक्रम से दूरी बनाए रखी। आज के कार्यक्रम में कांग्रेस के दोनों नेताओं की गुटबाजी खुलकर सामने आ गई है। डकैतों का सहारा लेकर चुनाव जीतने का कांग्रेस का चरित्र रहा है।

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता श्री यशपाल सिंह सिसोदिया ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस शासनकाल में डकैतों का आतंक चरम पर था और उसके नेता चुनाव जीतने के लिए डकैतों का सहारा लेते थे। वर्ष 2003 में मध्यप्रदेश में भाजपा की सरकार बनी, इसके बाद डकैतों के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू हुई। आज स्थिति यह है कि मध्यप्रदेश में एक भी डकैत नहीं बचा है, भाजपा सरकार ने डकैतों का पूरी तरह से सफाया कर दिया है।

कर्मचारियों को अपमानित करने की बजाय अपने गिरेबां में झांके कांग्रेस–भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता श्री यशपाल सिंह सिसोदिया ने कहा कि कांग्रेस जब भी देश और प्रदेश में चुनाव हारती है तो ईवीएम और पुलिस-प्रशासन पर आरोप लगाती है। विजयपुर चुनाव में कांग्रेस ने जीत हासिल की, उसके बावजूद कांग्रेस पार्टी और उनके नेता कर्मचारियों का अपमान कर रहे हैं। यह उनकी कर्मचारी विरोधी मानसिकता को दर्शाता है। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह हो या कमलनाथ लगातार अधिकारियों को धमकाते रहते हैं। पिछले विधानसभा चुनाव से पहले कमलनाथ कहते थे कि सूची बन रही है, विधानसभा चुनाव का परिणाम आने के बाद चुन-चुनकर बदला लिया जाएगा। क्या हुआ, न तो कांग्रेस सत्ता में आई न ही कमलनाथ मुख्यमंत्री बने। जीतू पटवारी हों या मुकेश मल्होत्रा, सभी को यह ध्यान रखना चाहिए कि कर्मचारियों का अपमान प्रदेश की जनता सहन नहीं करेगी।

घसोई में रात्रि कालीन शिविर आयोजित

मंदसौर, 28 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्रीमती अदिती गर्ग के मार्गदर्शन में जिले में चलाए जा रहे राजस्व महाअभियान 3.0 के तहत ग्राम पंचायत घसोई में अनुविभागीय अधिकारी श्रीमती शिवानी गर्ग एवं तहसीलदार सुवासरा श्री मोहित सीनम के द्वारा राजस्व महा-अभियान 3.0 अंतर्गत रात्रि कालीन शिविर आयोजित किया गया। जिसमें किसानों के समस्त राजस्व अधिकारी कर्मचारी तथा स्वयं अधिकारियों द्वारा अपने मोबाइल से हितग्राहियों की आरओआर की आधार से ई केवाईसी एवं फार्मर रजिस्ट्री की गई।

मिड डे मील: दो साल बाद कुकिंग कन्वर्जन की राशि बढ़ी

मंदसौर, 28 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। केंद्र सरकार ने मिड डे मील में कुकिंग कन्वर्जन की राशि बढ़ा दी है। इससे दो साल बाद मध्यप्रदेश के लगभग 13 लाख बच्चों के लिए खाना पकाने में ज्यादा राशि मिलेगी। केंद्र ने कुकिंग कन्वर्जन पर प्राइमरी के बच्चों के लिए 6.19 रुपए की राशि तय कर दी है। पहले प्रति बच्चा 5.45 रुपए दिए जाते थे, जिसमें 74 पैसे का इजाफा किया गया है।

वहीं मिडिल के बच्चों के लिए यह राशि 9.29 रुपए होगी। अभी तक 8.17 रुपए दिए जाते थे, जिसमें 1.12 पैसे की बढ़ोतरी कर दी गई है। दो साल पहले राशि बढ़ाई गई थी। मिड डे मील योजना में बच्चों के खाना पकाने की राशि के लिए केंद्र सरकार 60 प्रतिशत और राज्य सरकार 40 प्रतिशत राशि का बजट देती है। प्रदेश में मिड डे मील के अंतर्गत रोजाना एक लाख स्कूलों में लगभग13 लाख बच्चों को भोजन मिलता है।

ऐसे ही बढ़ती रही बच्चों की राशि...

केंद्र सरकार कई साल से मिड डे मील योजना में पैसों की मामूली बढोतरी कर रही है। वर्ष 2019 के पहले प्राइमरी (पहली से पाचंवी) तक के बच्चों के लिए 4.35 रुपए थे, जबकि मिडिल(छठी से आठवीं) तक के बच्चों के लिए 6.51 रुपए तय थे। इसे 1 अगस्त 2019 को 13 पैसे बढ़ोतरी के बाद 4.48 रुपए और 6.71 रुपए किया गया था। इसके बाद 1 अप्रैल 2020 को 49 पैसे बढ़ाकर 4.97 रुपए और 7.45 रुपए किया गया था। इस बार फिर से मामूली वृद्धि 28 पैसे और 72 पैसे की हुई है। दो साल पहले राशि बढ़ाई गई थी। इसके बाद एक बार फिर राशि में बढ़ोतरी की गई है।

भाईयों को पीटा, तीन पर प्रकरण दर्ज

पिपलियामंडी, 28 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। भाईयों के साथ मारपीट के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया। गरीवद निवासी रामलाल पिता गिरधारीलाल गायरी ने नारायणगढ थाने पर शिकायत दर्ज कराई कि बंजारा बस्ती में मेरे प्लाट पर कब्जा बताकर नाथूलाल बंजारा गड्ढा खोद रहा था। मैंने मना किया तो नाथू के साथ ही जुवान पिता नाथू बंजारा व विशाल पिता जुवान बंजारा तीनों ने मिलकर गाली-गलौज की व मारपीट की, लठ्ठ से सिर पर मारी, जिससे खून निकलने लगा। बीच-बचाव करने आए मेरे भाई प्रभुलाल के साथ भी मारपीट की, जिससे प्रभुलाल के भी सिर पर चोंट आई। पुलिस ने तीनों आरोपियों पर केस दर्ज किया।

पशुपतिनाथ मेला में अभा कवि सम्मेलन का आयोजन कल

मंदसौर, 28 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता प्रीतेश चावला, मेला सभापति श्रीमती भावना जयप्रकाश पमनानी, सीएमओ सुधीर कुमारसिंह, मेला अधिकारी पी.एस. धारवे ने बताया कि दिनांक 30 नवम्बर शनिवार को रात्रि 9 बजे से देर रात्रि तक नगरपालिका द्वारा भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव मेला के सांस्कृतिक रंगमंच पर अ.भा. कवि सम्मेलन का आयोजन होने जा रहा है। इस कवि सम्मेलन में नपा परिषद के आमंत्रण पर दिल्ली के जाने माने कवि अरूण जैमिनी खास तौर पर पधार रहे हे। कवि सम्मेलन में जानी बैरागी हास्य कवि धार, शंभु शिखर व्यंगकार नोएडा, मुन्ना बैटरी हास्य कवि मंदसौर, कानु पण्डित नाथद्वारा, हेमन्त पाण्डेय कानपुर (उ.प्र.), भुवन मोहिनी कवियत्री इंदौर, प्रिया खुशबु कवियत्री उज्जैन, योगेन्द्र शर्मा भीलवाड़ा, महेश दुबे कवि सम्मेलन मंच संचालक मुम्बई अपनी रचनाओं की प्रस्तुति देंगे। इस बार नपा परिषद ने देश व प्रदेश के प्रसिद्ध कवियों को आमंत्रित किया है। नगर व जिले के नागरिकों से नपा परिषद आग्रह करती है कि वे मेला में आकर कवि सम्मेलन का आनंद ले।

पशुपतिनाथ विश्राम गृह की मरम्मत कर बेहतर सुविधा युक्त बनाए-कलेक्टर

मंदसौर, 28 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्रीमती अदिति गर्ग ने पशुपतिनाथ लोक निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। पशुपतिनाथ लोक निर्माण कार्य के संबंध में मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा को निर्देश दिए।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि विश्राम गृह की मरम्मत का कार्य बहुत अच्छे से किया जाए। विश्रामगृह में बेहतर सुविधा प्राप्त हो इसको ध्यान में रखते हुए मरम्मत करें। अतिथि ग्रह में यात्रियों की सुविधा हेतु व्यापक जल व्यवस्था, सुलभ जन व्यवस्था, रोड एवं डामरीकरण कार्य, कमरों की रेनोवेशन, वाटर प्रूफिंग कार्य के लिए निर्देशित किया गया। पशुपतिनाथ मंदिर में आने वाले यात्रियों को ठहरने के लिए ज्यादा से ज्यादा बेहतर व्यवस्था मुहैया कराई जाए। यात्रियों की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए जन सामुदायिक कार्य गुणवत्ता पूर्वक किए जाए। यात्रियों के ठहरने हेतु व्यापक व्यवस्था सिंहस्थ के दृष्टिगत रखते हुए करें। लोक निर्माण एजेंसी पशुपतिनाथ लोक निर्माण कार्य मार्च तक पूर्ण करें। निरीक्षण के दौरान डिप्टी कलेक्टर श्री रविंद्र परमार, पशुपतिनाथ लोक निर्माण एजेंसी, पर्यटन विभाग के अधिकारी, कर्मचारी मौजूद थे।

मंदसौर के 2, नीमच के 3 व रतलाम... पेज 1 से जारी

मध्य प्रदेश नर्सेस रजिस्ट्रेशन काउंसिल ने जारी कर दिया है। शेष नौ की मान्यता पर अभी भी असमंजस है।

मान्यता का नवीनीकरण–बता दें, सरकार ने तय किया है कि सत्र 2024-25 में नए कॉलेज नहीं खोले जाएंगे। सीबीआइ व हाई कोर्ट द्वारा गठित समिति की रिपोर्ट के आधार पर मान्यता का नवीनीकरण किया जाना है। निजी कॉलेजों के मान्यता नवीनीकरण की सूची एक सप्ताह में जारी होने की उम्मीद है। इस सत्र में जीएनएम (डिप्लोमा) और बीएससी नर्सिंग में प्रवेश के लिए कर्मचारी चयन मंडल से पहले ही प्रवेश परीक्षा आयोजित की जा चुकी है। इसी आधार पर कॉलेजों में प्रवेश होंगे। हालांकि, इस बार कॉलेजों की संख्या कम रहने से सीटें 10 हजार से कम ही रहने की उम्मीद है। नर्सिंग कॉलेजों का फर्जीवाड़ा उजागर होने के पहले वर्ष 2020-21 तक 40 हजार से अधिक सीटें रहती थीं।

कार्यालय सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर

नामान्तरण –सूचना

मण्डल की आवासीय कॉलोनी कम्बल केन्द्र मंदसौर स्थित भवन क्रमांक 01/10 श्री चन्द्रसिंह अम्ब पिता प्रेमसिंह अम्ब को आवंटित किया गया था। उक्त भवन का विक्रय विलेख इनके मु.आ. श्री प्रदीप कुमार अम्ब पिता चन्द्रसिंह अम्ब द्वारा दिनांक 04.11.2024 को उप-पंजीयक कार्यालय मंदसौर में पंजीयन निष्पादित करवाया गया था। श्री चन्द्रसिंह अम्ब पिता प्रेमसिंह अम्ब मु.आ. श्री प्रदीप कुमार अम्ब पिता चन्द्रसिंह अम्ब द्वारा भवन का विक्रय श्री प्रतिक सेठिया पिता गोपाल सेठिया एवं श्रीमती प्रभावती सेठिया पति गोपाल सेठिया को कर विक्रय पत्र दिनांक 05.11.2024 को निष्पादित करवाया गया। उक्त विक्रय पत्र एवं प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर श्री प्रतिक सेठिया पिता गोपाल सेठिया एवं श्रीमती प्रभावती सेठिया पति गोपाल सेठिया उक्त भवन का नामांतरण अपने नाम करवाना चाहते है।

अत: इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/परिवार के सदस्य/वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति/उर्ज हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस में मय ठोस प्रमाण के कार्यालय में प्रस्तुत करे समयावधि व्यतीत हो जाने पर भवन का नामान्तरण श्री प्रतिक सेठिया पिता गोपाल सेठिया एवं श्रीमती प्रभावती सेठिया पति गोपाल सेठिया के नाम से कर दिया जावेगा उसके पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति/उर्ज मान्य नहीं होगा।

(रिपुर्दमन सिंह चंद्रावत)सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर (मप्र)

कार्यालय सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर

नामान्तरण –सूचना

मण्डल की आवासीय कॉलोनी गांधीनगर मंदसौर स्थित भवन क्रमांक ए-70 श्री नरेन्द्र रेकवार पिता श्री बद्रीलाल रेकवार मण्डल आदेश क्रमांक 430 दिनांक 21.01.2014 द्वारा आवंटित किया गया था। उक्त भवन का विक्रय विलेख दिनांक 26.05.2014 को उप पंजीयक कार्यालय में पंजीयन निष्पादित किया गया था। श्री नरेन्द्र रेकवार पिता श्री बद्रीलाल रेकवार द्वारा उक्त भवन का विक्रय श्री पुरालाल देवड़ा पिता श्री भेरुलाल देवड़ा को कर विक्रय पत्र दिनांक 30.06.2015 को उप-पंजीयक कार्यालय में पंजीयन निष्पादित करवाया गया था। श्री पुरालाल देवड़ा पिता श्री भेरुलाल देवड़ा द्वारा पुन: उक्त भवन का विक्रय श्री देवेन्द्र राठौर पिता श्री दशरथ राठौर को कर विक्रय पत्र दिनांक 14.08.2024 को उप-पंजीयक कार्यालय में पंजीयन निष्पादित करवाया गया था। उक्त विक्रय पत्रों एवं प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर उक्त भवन का नामांतरण श्री देवेन्द्र राठौर पिता श्री दशरथ राठौर अपने नाम करवाना चाहते है।

अत: इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/परिवार के सदस्य/वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति/उर्ज हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस में मय ठोस प्रमाण के कार्यालय में प्रस्तुत करे समयावधि व्यतीत हो जाने पर उक्त भवन श्री देवेन्द्र राठौर पिता श्री दशरथ राठौर के नाम कर दिया जावेगा उसके पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति/उर्ज मान्य नहीं होगा।

(रिपुर्दमन सिंह चंद्रावत)सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर (मप्र)

कार्यालय सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर

नामान्तरण –सूचना

मण्डल की आवासीय कॉलोनी संजीत मार्ग मंदसौर स्थित भवन क्रमांक LIG.A-05 श्रीमती सूरजबाई पति श्री सुरेन्द्र कुमार जैन को मण्डल आदेश क्रमांक 1559 दिनांक 05.09.1992 द्वारा नामांतरित किया गया था। इनके द्वारा भवन का विक्रय विलेख दिनांक 21.02.1997 को इनके पक्ष में पंजीयन निष्पादित करवाया गया था। श्रीमती सूरजबाई पति श्री सुरेन्द्र कुमार जैन द्वारा उक्त भवन का विक्रय श्री भागीरथ सूर्यवंशी पिता श्री कमल प्रसाद सूर्यवंशी को कर विक्रय पत्र दिनांक 27.04.2000 को इनके पक्ष में पंजीयन निष्पादित करवाया गया था। उक्त विक्रय पत्र एवं प्रस्तुत दस्तावेजो के आधार पर उक्त भवन का नामांतरण श्री भागीरथ सूर्यवंशी पिता श्रीकमल प्रसाद सूर्यवंशी अपने नाम करवाना चाहते है।

अत : इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था/परिवार के सदस्य/वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति/उर्ज हो तो वह विज्ञापन प्रकाशन दिनांक से 15 दिवस में मय ठोस प्रमाण के कार्यालय में प्रस्तुत करे समयावधि व्यतीत हो जाने पर उक्त भवन का नामान्तरण श्री भागीरथ सूर्यवंशी पिता श्री कमल प्रसाद सूर्यवंशी के नाम कर दिया जावेगा उसके पश्चात कोई भी दावा/आपत्ति/उर्ज मान्य नहीं होगा।

(रिपुर्दमन सिंह चंद्रावत)सम्पदा प्रबंधक
म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल मंदसौर (मप्र)

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीडिया एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in